संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-21 अंक- 350
पृष्ठ 8
शनिवार
13 सितंबर 2025
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- शादी से पहले पार्टनर के साथ...

विचार- संविधान की ताकत का नया अहसास

खेल- मोहसिन बोले- बाबर के इर्दगिर्द...

चंद्रपुरम पोन्नुसामी राधाकृष्णन ने उप राष्ट्रपति पद की शपथ ली

नयी दिल्ली, एजेंसी। श्री चंद्रपुरम पोन्नुसामी राधाकृष्णन ने शुक्रवार को देश के 15 वें उपराष्ट्रपति पद की शपथ ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने राष्ट्रपति भवन में आयोजित एक समारोह में श्री राधाकृष्णन को पद की शपथ दिलायी। इससे पहले श्री राधाकृष्णन के उप राष्ट्रपति निर्वाचित होने से संबंधित निर्वाचन आयोग का प्रमाण पत्र पढकर सुनाया गया। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद, पूर्व उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड, वेंकैया नायडू , हामिद अंसारी , लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, गृह मंत्री अमित शाह , केन्द्रीय मंत्री प्रकाश नड्डा , नितिन गडकरी और कई अन्य केन्द्रीय मंत्री तथा अनेक गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे। श्री धनखड़ के स्वास्थ्य कारणों से इस्तीफा देने के बाद 9 सितम्बर को उप राष्ट्रपति का चुनाव कराया गया था। इस चुनाव में केंद्र में सत्तारूढ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के उम्मीदावार रहे श्री राधाकृष्णन निर्वाचित घोषित किये गये थे। उन्होंने विपक्ष के उम्मीदवार श्री बी सुदर्शन रेड्डी को 152 मतों के बड़े अंतर से हराया । श्री राधाकृष्णन अब तक महाराष्ट्र के राज्यपाल थे। चार मई, 1957 को तमिलनाडु के तिरुप्पुर में जन्मे श्री राधाकृष्णन बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन में स्नातक हैं। उन्होंने अपना सार्वजनिक जीवन राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ (आरएसएस) के स्वयंसेवक के रूप में शुरु किया और अब वह देश के उप राष्ट्रपति चुने गये हैं। श्री राधाकृष्णन ने सार्वजनिक जीवन राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ (आरएसएस) के स्वयंसेवक के रूप में शुरु किया और सन 1974 में भारतीय जनसंघ की राज्य कार्यकारिणी के सदस्य बने। उन्हें 1996 में तमिलनाडु में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का सचिव नियुक्त किया गया। वे 1998 में कोयंबटूर से पहली बार लोकसभा के लिए चुने गए। वर्ष 1999 में वे पुनः लोकसभा के लिए चुने गए। सांसद के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान, उन्होंने कपड़ा संबंधी संसदीय स्थायी समिति के अध्यक्ष के रूप में कार्य किया। वह सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (पीएसयू) संबंधी संसदीय समिति और वित्त संबंधी परामर्शदात्री समिति के भी सदस्य रहे। वह स्टॉक एक्सचेंज घोटाले की जाँच करने वाली संसदीय विशेष समिति के सदस्य भी थे। श्री राधाकृष्णन ने 2004 में, संसदीय प्रतिनिधिमंडल के सदस्य के रूप में संयुक्त राष्ट्र महासभा को संबोधित किया। वह भारत से ताइवान गए पहले संसदीय प्रतिनिधिमंडल के सदस्य भी थे। श्री राधाकृष्णन 2004 से 2007 के बीच, तमिलनाडु में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष रहे। इस पद पर रहते हुए, उन्होंने 93 दिनों तक चली 19,000 किलोमीटर की श्रथ यात्राश की। यह यात्रा सभी भारतीय नदियों को जोड़ने, आतंकवाद के उन्मूलन, समान नागरिक संहिता लागू करने, अस्पृश्यता निवारण और मादक पदार्थों की समस्या से निपटने की उनकी मांगों को उजागर करने के लिए आयोजित की गई थी। उन्होंने विभिन्न उद्देश्यों के लिए दो और पदयात्राओं का भी नेतृत्व किया। श्री राधाकृष्णन को 2016 में, कोच्चि के कॉयर बोर्ड का अध्यक्ष नियुक्त किया गया, इस पद पर वह चार वर्षों तक रहे। उनके नेतृत्व में, भारत से कॉयर निर्यात 2532 करोड़ रुपये के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया। वह 2020 से 2022 तक, भाजपा की केरल इकाई के प्रभारी रहे। उन्हें प्रशासनिक क्षेत्र का भी अच्छा अनुभव है। उन्हें 18 फ़रवरी, 2023 को, झारखंड का राज्यपाल नियुक्त किया गया। अपने पहले चार महीनों के दौरान, उन्होंने झारखंड के सभी 24 ज़िलों की यात्रा की और नागरिकों और ज़िला अधिकारियों से बातचीत की। उन्होंने 31 जुलाई 2024 को महाराष्ट्र के राज्यपाल के रूप में शपथ ली। झारखंड के राज्यपाल के रूप में उन्होंने करीब लगभग डेढ़ वर्ष तक कार्य किया। उन्होंने तेलंगाना के राज्यपाल और पुडुचेरी के उपराज्यपाल का कार्यभार भी संभाला।

मॉरीशस के पीएम नवीनचंद्र रामगुलाम ने अयोध्या में राम मंदिर में किए दर्शन

सीएम योगी भी रहे मौजूद

अयोध्या, संवाददाता। मॉरीशस के प्रधानमंत्री नवीनचंद्र रामगुलाम ने अयोध्या में श्री राम जन्मभूमि मंदिर में पूजा–अर्चना की। उनके साथ यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ भी मौजूद रहे। इससे पहले, अयोध्या आगमन पर प्रधानमंत्री रामगुलाम का पारंपरिक और गर्मजोशी से स्वागत किया गया। शहर मॉरीशस के प्रधानमंत्री के स्वागत में पोस्टरों से सजा हुआ है। इससे पहले, भारत की राजकीय यात्रा पर आए प्रधानमंत्री रामगुलाम ने वाराणसी में ऐतिहासिक श्री काशी विश्वनाथ मंदिर के दर्शन किए। मॉरीशस के प्रधानमंत्री की यात्रा पर, अयोध्या के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) गौरव ग्रोवर ने कहा कि इस हाई–प्रोफाइल यात्रा की सफलता सुनिश्चित करने के लिए व्यापक सुरक्षा और प्रशासनिक तैयारियाँ की गई हैं। उन्होंने कहा कि अयोध्या जिले में व्यापक तैयारियाँ की गई हैं। जिला प्रशासन और पुलिस अधिकारियों ने गहन स्थल निरीक्षण किया है और सभी आवश्यक व्यवस्थाएँ पूरी कर ली हैं। यात्रा के लिए आवश्यक बाहरी अधिकारियों और सुरक्षा बलों की व्यवस्था कर ली गई है। उन्होंने आगे कहा कि वीआईपी के हवाई अड्डे पर आगमन से लेकर उनके प्रस्थान तक, पूरे कार्यक्रम की योजना मिनट–दर–मिनट बनाई गई है। गुरुवार को, प्रधानमंत्री मोदी ने प्रधानमंत्री रामगुलाम के साथ दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय सहयोग के सभी पहलुओं की समीक्षा की और क्षेत्रीय तथा वैश्विक मुद्दों पर चर्चा की। अपनी बैठक के दौरान, दोनों नेताओं ने बुनियादी ढाँचे, स्वास्थ्य सेवा, डिजिटल प्रौद्योगिकी, ऊर्जा, समुद्री सुरक्षा और अन्य क्षेत्रों में सहयोग को गहरा करने की अपनी मंशा की पुष्टि की।

छत्तीसगढ़ के बीजापुर में सुरक्षाबलों ने नक्सलियों की तोड़ी कमर! मुठभेड़ में 2 ढेर, हथियार बरामद

बीजापुर, एजेंसी। छत्तीसगढ़ के बीजापुर में सुरक्षाबलों ने मुठभेड़ में दो नक्सलियों को मार गिराया, जिससे नक्सल विरोधी अभियान को बड़ी सफलता मिली है। इस कार्रवाई में हथियार और विस्फोटक सामग्री भी बरामद की गई, जो माओवादी नेटवर्क पर सीधा प्रहार है। यह घटना सुरक्षाबलों द्वारा लगातार चलाए जा रहे प्रभावी अभियानों का हिस्सा है, जिसके तहत इस साल अब तक 243 नक्सली ढेर हो चुके हैं। पुलिस अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों के अनुसार, बीजापुर जिले के दक्षिण–पश्चिमी क्षेत्र में माओवादियों की मौजूदगी की सूचना के आधार पर सुरक्षाबलों ने नक्सल विरोधी अभियान शुरू किया था। उन्होंने बताया कि अभियान के दौरान आज सुबह से सुरक्षाबलों और माओवादियों के बीच रुक–रुक कर मुठभेड़ जारी है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि अब तक मुठभेड़ स्थल से दो माओवादियों के शव बरामद किए गए हैं। साथ ही मौके से .303 राइफल सहित अन्य हथियार, विस्फोटक सामग्री और दैनिक उपयोग की वस्तुएं भी बरामद की गई हैं। उन्होंने बताया कि अभियान अभी जारी है, इसलिए मुठभेड़ के स्थान, अभियान में शामिल सुरक्षाबलों की संख्या तथा अन्य संवेदनशील जानकारी फिलहाल साझा नहीं की जा सकती। अधिकारियों ने बताया कि अभियान पूरा होने के बाद विस्तृत जानकारी साझा की जाएगी। छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में माओवादियों के खिलाफ लगातार अभियान जारी हैं। इससे पहले बृहस्पतिवार को रायपुर संभाग के गरियाबंद जिले में हुई मुठभेड़ में सुरक्षाबलों ने 10 नक्सलियों को मार गिराया था। मारे गए नक्सलियों में प्रतिबंधित भाकपा (माओवादी) के एक वरिष्ठ नेता और केंद्रीय समिति सदस्य (सीसीएम) मोड़ेम बालकृष्ण उर्फ भास्कर भी शामिल है, जिनके सिर पर एक करोड़ रुपये का इनाम घोषित था।

दिल्ली के बाद अब बॉम्बे हाई कोर्ट को मिली बम से उड़ाने की धमकी, खाली कराया गया परिसर

मुंबई, एजेंसी। बॉम्बे उच्च न्यायालय की कार्यवाही अचानक रुक गई, जब अधिकारियों को दक्षिण मुंबई स्थित ऐतिहासिक न्यायालय भवन को उड़ाने की धमकी भरा एक ई–मेल प्राप्त हुआ। अधिकारियों के अनुसार, अदालत के आधिकारिक अकाउंट पर यह ईमेल दोपहर करीब 1रू00 बजे प्राप्त हुआ। प्रशासन ने तुरंत कार्रवाई करते हुए, अंदर मौजूद सभी लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए दोपहर करीब 12रू45 बजे परिसर खाली कराने का फैसला किया। बार एसोसिएशनों को अपने सदस्यों को सूचित करने के लिए कहा गया, जिसके बाद वकील, मुद्दई और अदालत के कर्मचारी इमारत से बाहर निकल गए। एसोसिएशन के एक प्रतिनिधि ने कहा कि अदालत के अधिकारियों के अनुरोध पर, हमने सभी सदस्यों को परिसर खाली करने के लिए सूचित कर दिया ताकि पुलिस गहन जाँच कर सके। पुलिस उपायुक्त प्रवीण मुंडे, अन्य अधिकारियों और बम निरोधक दस्ते (बीडीडीएस) के साथ, निरीक्षण के लिए घटनास्थल पर पहुँचे। आज़ाद मैदान पुलिस स्टेशन और दक्षिण क्षेत्र की अतिरिक्त टीमें भी इस अभियान में शामिल हुईं। निर्धारित प्रोटोकॉल और मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) के अनुसार, हमारी टीमें जाँच कर रही हैं। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा हमें पहले भी इस तरह के कई धमकी भरे मेल मिले हैं, जिनमें इस्कॉन मंदिर और अन्य महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों को निशाना बनाने वाले मेल भी शामिल हैं, और ये सभी फर्जी निकले।

राहुल गांधी ने पीएम के मणिपुर दौरे का किया स्वागत, बोले-

मणिपुर के लोगों को मरहम की ज़रूरत

साथ ही छेड़ा 'वोट चोरी' का नया राग

जूनागढ़, एजेंसी। लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मणिपुर दौरे का स्वागत किया। गुजरात के जूनागढ़ दौरे के दौरान, राहुल गांधी ने स्वीकार किया कि मणिपुर में लंबे समय से अशांति चल रही है। उन्होंने संवाददाताओं से कहा कि मणिपुर में यह मुद्दा लंबे समय से चल रहा है। यह अच्छी बात है कि वह अब वहां जा रहे हैं। इसके साथ ही ''वोट चोरी'' वाले अपने तंज को दोहराते हुए, गांधी ने एक बार फिर आरोप लगाया कि हरियाणा और महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों के जनादेश चुराए गए थे। कांग्रेस नेता ने कहा कि लेकिन देश में मुख्य मुद्दा 'वोट चोर' का है। हरियाणा और महाराष्ट्र में चुनावी जनादेश चुरा लिया गया... हर जगह लोग 'वोट चोर' कह रहे हैं। वहीं, आरजेडी सांसद मनोज झा ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी को मणिपुर आने में बहुत लंबा समय लग गया. .. जब प्रधानमंत्री मोदी मणिपुर पहुंचेंगे, तो वहां मरहम लगेगा। मणिपुर के लोगों को मरहम की ज़रूरत है। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस नेता अशोक गहलोत ने कहा कि पीएम मोदी औपचारिकता निभा रहे हैं। वह 4 घंटे के लिए जा रहे हैं। उन्हें पहले जाना चाहिए था... मैंने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से भी पूछा कि वह उन्हें समझा क्यों नहीं पा रहे हैं? . ..शायद अगर वह पहले चले जाते, तो शांति जल्दी स्थापित हो जाती। इससे पहले, कांग्रेस महासचिव और संचार प्रभारी जयराम रमेश ने प्रधानमंत्री मोदी की प्रस्तावित मणिपुर यात्रा की आलोचना करते हुए इसे राज्य के लोगों का अपमान बताया था। ग पर एक पोस्ट में, कांग्रेस सांसद ने यात्रा की तैयारियों से संबंधित एक अखबार की कटिंग साझा की और कहा कि ऐसा लग रहा है कि प्रधानमंत्री मणिपुर में केवल तीन घंटे ही बिताएँगे। जयराम रमेश ने लिखा, ''प्रधानमंत्री की 13 सितंबर को प्रस्तावित मणिपुर यात्रा का उनके समर्थक स्वागत कर रहे हैं। लेकिन ऐसा लग रहा है कि वह राज्य में लगभग तीन घंटे ही बिताएँगेकृहाँ, सिर्फ़ तीन घंटे ही। इतनी जल्दबाज़ी में की गई यात्रा से उन्हें क्या हासिल होने की उम्मीद है?''

दिल्ली हाईकोर्ट में बम की धमकी अफवाह साबित हुयी

नयी दिल्ली,एजेंसी। दिल्ली उच्च न्यायालय में शुक्रवार सुबह बम रखे होने की धमकी मिलने के बाद पूरे परिसर की गहन जांच करायी गयी जिसमें यह धमकी अफवाह साबित हुयी। दिल्ली उच्च न्यायालय को ईमेल के जरिये धमकी मिली थी कि परिसर में तीन बम रखे गये है और इनमें अपराह्न दो बजे तक विस्फोट हो सकता है। पुलिस ने यह सूचना मिलने पर तुरंत अदालत को खाली कराया और पूरे परिसर की जांच की गयी। जांच मेंकहीं भी विस्फोटक या बम नहीं पाया गया। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, यह मेल आज पूर्वाह्न आठ बजकर 38 मिनट पर ष्कनिमोझी थेविद्या ष नाम से दिल्ली हाईकोर्ट के आधिकारिक ईमेल आईडी पर भेजा गया था। मेल में पाकिस्तान और तमिलनाडु के आतंकी लिंक की बात कही गयी थी और कहा गया था कि न्यायालय में न्यायाधीशों के कमरों में और परिसर में बम रखे गये हैं। ईमेल मिलते ही तुरंत उच्च न्यायालय प्रशासन ने अलर्ट जारी किया और दिल्ली पुलिस को सूचना दी। इसके बाद बम निरोधक दस्ते, स्पेशल सेल और साइबर सेल की टीमों ने मौके पर पहुंचकर जांच की।

पटाखों पर प्रतिबंध एनसीआर में ही क्यों? पूरे देश के नागरिक स्वच्छ हवा के हकदार : न्यायालय

उच्चतम न्यायालय ने बृहस्पतिवार को दिल्ली–राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में पटाखों पर प्रतिबंध को चुनिंदा तरीके से लागू करने पर सवाल उठाया और कहा कि अगर स्वच्छ हवा राष्ट्रीय राजधानी के 'कुलीन' निवासियों का अधिकार है, तो यह पूरे देश के नागरिकों को भी मिलना चाहिए। प्रधान न्यायाधीश बी आर गवई और न्यायमूर्ति के विनोद चंद्रन की पीठ राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में पटाखों के विनियमन से संबंधित याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी। प्रधान न्यायाधीश ने कहा, ''अगर एनसीआर के शहर स्वच्छ हवा के हकदार हैं, तो दूसरे शहरों के लोग क्यों नहीं?... जो भी नीति होनी चाहिए, वह अखिल भारतीय स्तर पर होनी चाहिए। हम केवल इसलिए दिल्ली के लिए नीति नहीं बना सकते कि वे देश के कुलीन नागरिक हैं।'' उन्होंने कहा, ''मैं पिछली सर्दियों में अमृतसर में था और वहां प्रदूषण दिल्ली से भी बदतर था। अगर पटाखों पर प्रतिबंध लगाना है, तो उन्हें पूरे देश में प्रतिबंधित किया जाना चाहिए।'' न्याय मित्र, वरिष्ठ अधिवक्ता अपराजिता सिंह ने कहा, ''कुलीन वर्ग अपना ख्याल खुद रखता है। प्रदूषण होने पर वे दिल्ली से बाहर चले जाते हैं।'' पीठ ने केंद्र की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी से वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग से इस मुद्दे पर एक विस्तृत रिपोर्ट प्राप्त करने को कहा। विधि अधिकारी ने कहा कि राष्ट्रीय पर्यावरण आभियांत्रिकी अनुसंधान संस्थान (नीरी) प्रदूषण कम करने के लिए 'हरित पटाखों' की व्यवहार्यता की जांच कर रहा है। पटाखा निर्माताओं की ओर से पेश वकील ने नीरी को अनुमेय रासायनिक संरचना निर्धारित करने का सुझाव दिया, जिसे उद्योग पटाखों के डिजाइन में शामिल कर सके।

वृन्दावन के श्री बांके बिहारी मंदिर में 'वीआईपी' दर्शन बंद

अब सबको लाइन में लग कर ही करने होंगे दर्शन

मथुरा, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के मथुरा में श्री बांके बिहारी मंदिर की उच्चाधिकार प्राप्त प्रबंधन समिति ने आज अति विशिष्ट व्यक्ति (वीआईपी) पास तत्काल प्रभाव से बंद करने और दर्शन के लिए सीधा प्रसारण शुरू करने सहित कई बड़े फैसलों की घोषणा की। उच्चतम न्यायालय के निर्देश पर गठित उच्चाधिकारप्राप्त समिति ने एक बैठक में मंदिर में दर्शन एवं सुरक्षा व्यवस्था में सुधार लाने का एक बड़ा प्रयास किया है। जिला सूचना अधिकारी द्वारा जारी एक विज्ञप्ति के मुताबिक, मंदिर में पर्ची कटाकर वीआईपी के तौर पर दर्शन करने की व्यवस्था समाप्त कर दी गई है और इसके लिए वीआईपी कटघरा भी हटा दिया जाएगा। विज्ञप्ति में बताया गया कि अब हर व्यक्ति को लाइन में लगकर अपनी बारी का इंतजार करना होगा, जिससे मंदिर प्रशासन पर भेदभाव का आरोप नहीं लगेगा और दर्शनार्थियों में अनावश्यक धक्का–मुक्की भी नहीं होगी। विज्ञप्ति के मुताबिक, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अगले तीन दिनों में यह तय कर देंगे कि किस–किस द्वार से प्रवेश होगा और किस–किस द्वार से निकासी की जा सकेगी। इसके अलावा अब मंदिर की सुरक्षा की जिम्मेदारी पुलिस अथवा निजी गार्डों के स्थान पर पूर्व सैनिकों अथवा प्रोफेशनल सुरक्षा एजेंसियों को सौंपी जाएगी।

मोदी जायेंगे मणिपुर: 8500 करोड़ की परियोजनाओं की देंगे सौगात

नयी दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी लंबे समय तक चली जातीय हिंसा से उबर रहे मणिपुर का शनिवार को दौरा करेंगे और राज्य को 8500 करोड़ रुपये की परियोजनाओं की सौगात देंगे। मणिपुर में मई 2023 में शुरू हुई जातीय हिंसा के बाद श्री मोदी का राज्य का यह पहला दौरा है। वहां वह 8500 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे तथा दो जनसभाओं को संबोधित करेंगे। विपक्ष मणिपुर में जातीय हिंसा शुरू होने के बाद से ही शांति बहाली के लिए प्रधानमंत्री के वहां जाने की मांग करता रहा है। मणिपुर में इसी वर्ष फरवरी से राष्ट्रपति शासन लागू है। प्रधानमंत्री कार्यालय ने शुक्रवार को यहां बताया कि श्री मोदी शनिवार सुबह पहले मिजोरम जायेंगे जहां से वह साढे बारह बजे मणिपुर पहुंचेंगे और राज्य के समावेशी, सतत और समग्र विकास के प्रति सरकार की वचनबद्धता के अनुरूप चुड़ाचांदपुर में 7,300 करोड़ रुपये से अधिक की कई विकास परियोजनाओं की आधारशिला रखेंगे। इन परियोजनाओं में 3,600 करोड़ रुपये से अधिक की शहरी सड़कें, जल निकासी और संपत्ति प्रबंधन सुधार परियोजना, 2,500 करोड़ रुपये से अधिक की पांच राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाएँ , मणिपुर इन्फोटेक डेवलपमेंट परियोजना और नौ स्थानों पर कामकाजी महिलाओं के लिए छात्रावास आदि शामिल हैं। वह इस अवसर पर वहां मौजूद जनसमूह को भी संबोधित करेंगे। प्रधानमंत्री अपराह्न ढाई बजे राजधानी इंफाल में 1,200 करोड़ रुपये से अधिक की कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन भी करेंगे। इनमें मंत्रीपुखरी में नागरिक सचिवालय, मंत्रीपुखरी में आईटी एसईजेड भवन और नया पुलिस मुख्यालय, दिल्ली और कोलकाता में मणिपुर भवन, और चार जिलों में महिलाओं के लिए अद्वितीय बाजार, इमा मार्केट शामिल हैं। श्री मोदी इंफाल में भी एक जनसभा को संबोधित करेंगे। मणिपुर में मई 2023 में मैती और कुकी समुदायों के बीच हिंसा शुरू हुई थी और लंबे समय तक चली झड़पों में करीब 250 लोग मारे गये थे और बड़ी संख्या में घायल हुए थे।

प्राविधिक शिक्षा भर्ती के लिए प्रवेश पत्र जारी

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग की ओर से प्राविधिक शिक्षा (अध्यापन/प्रशिक्षण) सेवा परीक्षा–2023 का आयोजन 21 व 22 सितंबर को लखनऊ में दो पालियों में किया जाएगा। इसके लिए प्रवेश पत्र जारी कर दिया गया है। इस परीक्षा में 14 प्रकार के प्रशिक्षक के 46 पदों पर चयन होना है। अभ्यर्थी आयोग की वेबसाइट से ओटीआर नम्बर के माध्यम से प्रवेश–पत्र डाउनलोड कर सकते हैं और फोटो व आईडी प्रूफ के साथ परीक्षा केंद्र पर उपस्थित हों।

जमीन के नाम पर 12.45 लाख की धोखाधड़ी

प्रयागराज। राजरूपपुर निवासी अविनाश दुबे से जमीन के नाम पर 12.45 लाख रुपये की धोखाधड़ी की गई। धूमनगंज पुलिस ने तहरीर के आधार पर अतुल कुमार राय, अर्चना राय व शिवनंदन राय के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। अविनाश दुबे का आरोप है कि बलिया जिले के अतुल कुमार राय व उनकी पत्नी अर्चना राय और श्वसुर शिवनंदन को जमीन का सौदा 35 लाख रुपये में तय हुआ था। बतौर एडवांस 12.45 लाख रुपये दिया था। लेकिन, महीनों बीतने के बाद भी जमीन का बैनामा किया गया। अविनाश दुबे ने जब अपने रुपये वापस मांगे, तो आरोपियों ने गाली गलौज करते हुए भगा दिया। आरोप है कि रुपये भूल जाने की हिदायत देते हुए जान से मारने की धमकी दी गई। धूमनगंज थाना प्रभारी अमरनाथ राय ने बताया कि तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर मामले की विवेचना की जा रही है।

युवक को अगवा कर गोली मारने वाला गया जेल

प्रयागराज। सिविल लाइंस क्षेत्र के धोबी घाट चौराहे के पास एक युवक का अपहरण करने की कोशिश व गोली मारने के मामले में पुलिस ने एक और आरोपित झूंसी के मलावा खुर्द निवासी मोहम्मद इसराइल उर्फ इजराइल उर्फ साहिबा को गिरफ्तार कर लिया है। उसके पास से एक तमंचा व कारतूस भी बरामद की गई है। पुलिस के अनुसार, साहिबा अटाला में दहशत फैलाने के लिए मस्जिद के पास बमबाजी करने के मामले में जेल गया था। हाल ही में जमानत पर छूटकर आया था। पुलिस एक अन्य फरार आरोपित अबू सैमा की तलाश कर रही है। पुलिस के अनुसार, बेली गांव निवासी शाकिब ने 11 मई को एफआईआर दर्ज कराई थी कि उसका भाई शानू धोबी घाट के पास एक दुकान पर बैठा था। तभी अख्तर, अबू सैमा व एक अन्य अज्ञात ने हमला कर जबरन गाड़ी में बैठाने लगे। शोर मचाने पर शानू के पैर में गोली मारकर भाग गए। थाना प्रभारी रामाश्रय यादव ने बताया कि आरोपी अख्तर को पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है। दूसरे आरोपी साहिबा को गुरुवार को पोलो ग्राउंड के पास गिरफ्तार किया गया।

दो शिक्षक समेत चार लोगों से 59.23 लाख की साइबर ठगी

प्रयागराज। साइबर अपराधियों ने शहर के शिक्षक को डिजिटल अरेस्ट कर 7.32 लाख रुपये ऐंठ लिया। शिक्षक को सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक वीडियो अपलोड होने व नई दिल्ली से डीएसपी बनकर धमकाया गया। वहीं, एक शिक्षक समेत तीन अन्य लोगों से निवेश व अन्य तरीके से झांसा देकर 51.91 लाख रुपये ठग लिया गया। साइबर क्राइम पुलिस सभी मामलों में एफआईआर दर्ज कर जांच में जुटी है। कटरा निवासी शिक्षक रामचंद्र की तहरीर के अनुसार, उनके पास सुनील दत्त दुबे नाम के व्यक्ति ने फोन कर खुद को दिल्ली पुलिस का डीएसपी बताया। उसने शिक्षक को सोशल मीडिया पर उनकी आपत्तिजनक वीडियो अपलोड होने पर नई दिल्ली के मंडावली फाजलपुर ऑफिस में केस दर्ज होने की बात कही।

साथ ही वीडियो डिलीट नहीं होने पर गिरफ्तार कर जेल भेजने और नौकरी चले जाने की धमकी दी। इसके बाद वीडियो डिलीट करने के एवज में तीन बार में कुल सात लाख साढ़े 32 हजार रुपये ट्रांसफर करा लिया। उधर, अलोपीबाग निवासी शिक्षक राजशेखर शुक्ल ने पुलिस को बताया कि उनके बैंक ऑफ बड़ौदा व केनरा बैंक खातों से पिछले करीब 40 दिनों से व्हॉट्सएप के माध्यम से ऑनलाइन ट्रेडिंग की गई। ट्रेडिंग कराने वाले ने खुद को रजिस्टर्ड स्टॉक ब्रोकर बताकर सेबी से प्रमाणित प्रमाण पत्र भी दिखाया। कुल 26.45 लाख रुपये निवेश कराया गया। लेकिन, ट्रेडिंग एप पूरी तरह से फर्जी होने की जानकारी हुई। इसी तरह लूकरगंज के अवनीश कुमार श्रीवास्तव को 17 जनवरी को व्हॉट्सएप पर मैसेज आया। संपर्क करने पर उसने खुद का नाम संजू बताते हुए एक माह में रुपये दोगुना होने का झांसा दिया। नौ जून को व्हॉट्सएप पर सबा नाम की युवती ने संपर्क कर 2.69 लाख रुपये ऑनलाइन जमा कराया। उधर, करेली के जमीरनगर निवासी एहतसामुद्दीन सिद्दीकी ने डॉक्टर से संपर्क करने के लिए गूगल में सर्च कर मोबाइल नंबर निकाला। संपर्क होने के बाद एडवांस फीस जमा कराई गई। इसके बाद ठगों ने बैंक खाते से 22.77 लाख रुपये की चपत लगा दी। दस बार में हुए ट्रांजक्शन में न तो कोई मैसेज और न ही ओटीपी आया है। साइबर थाना प्रभारी अनिल कुमार वर्मा ने बताया कि सभी मामलों की जांच की जा रही है। जिन बैंक खातों से रुपये जमा कराए गए हैं, उसकी जांच की जा रही है।

ट्रक से दबकर स्कूटी सवार की मौत

प्रयागराज। खुल्दाबाद थाना क्षेत्र के बनर्जी रोड पर गुरुवार की देर रात ट्रक की चपेट में आने से स्कूटी सवार की मौत हो गई। आसपास के लोगों ने ट्रक चालक को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस ने शव की शिनाख्त कर परिजनों को सूचना दी, तो खलबली मच गई। रोते बिलखते परिजन घटनास्थल पर पहुंच गए। खुल्दाबाद पुलिस के अनुसार, लूकरगंज निवासी गोविंद का बेटा 32 वर्षीय शनि एक परचून की दुकान पर काम करता था। वह रोजाना की तरह गुरुवार की रात लगभग 11 बजे दुकान से छूटने के बाद स्कूटी से घर लौट रहा था। रास्ते में बनर्जी रोड पर गुजरे रहे ट्रक को बाएं तरफ से ओवरटेक करने में स्कूटी अनियंत्रित होकर पलट गई। ट्रक के पिछले चक्के की चपेट में आने से शनि की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। थाना प्रभारी सुरेंद्र वर्मा ने बताया कि ट्रक चालक को हिरासत में लेकर अग्रिम कार्रवाई की जा रही है।

हाथी पर सवार होकर नवरात्र में आएंगी मां दुर्गा

प्रयागराज। मां दुर्गा की आराधना व पूजन का पावन पर्व शारदीय नवरात्र का प्रारंभ 22 सितंबर से होने जा रहा है। इस बार नवरात्र में माता रानी हाथी पर सवार होकर आ रही हैं। आचार्य ब्रज मोहन पांडेय ने बताया कि मां दुर्गा का आगमन और प्रस्थान सप्ताह के दिन के अनुसार होता है। इस बार नवरात्र का प्रारंभ 22 सितंबर यानि सोमवार से हो रहा है। यदि नवरात्र की प्रतिपदा सोमवार या रविवार को हो तो मां दुर्गा गज (हाथी) पर आरूढ़ होती हैं। हाथी पर सवार होकर आना शुभ लक्षण का प्रतीक है। पूरे साल सुख–समृद्धि व सौभाग्य का संचार होगा। आचार्य ने बताया कि आश्विन माह के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि की शुरुआत 22 सितंबर को देर रात 1.23 मिनट पर हो रही है।

नगर निगम जगह आवंटित करे या उजाड़ना बंद करे

प्रयागराज। शहर में होने वाले कारोबार का एक बड़ा हिस्सा पटरी पर होता है लेकिन असंगठित कारोबार होने की वजह से इनकी गणना नहीं होती है। नगर निगम की कुछ दिनों से पटरी कारोबारियों के खिलाफ चल रही कार्रवाई से इनकी परेशानी बढ़ गई है। कार्रवाई से घबराए काफी संख्या में स्ट्रीट वेंडर अपना काम बंद कर बैठ गए हैं जिससे उनके सामने आर्थिक संकट पैदा हो गया है। स्ट्रीट वेडरों का कहना है कि अतिक्रमण के नाम पर उन्हें उजाड़ने से पूर्व उनके लिए वैकल्पिक व्यवस्था की जानी चाहिए थी। निगम दुकान आवंटित नहीं करेगा और पटरी पर कारोबार भी नहीं करने देगा तो वह कहां जाएंगे।

इससे उनके सामने परिवार की रोटी का संकट आ जाएगा। स्ट्रीट वेंडरों से बात की तो उनका दर्द छलक पड़ा। कहा, कई दशक से हम लोग पटरी पर कारोबार करते आ रहे हैं , निगम उजाड़ रहा है तो हम कहां जाएं। उजाड़ने से पहले निगम दुकानें आवंटित कर देता तो परेशानी न होती । नगर निगम पिछले कुछ दिनों से अतिक्रमण हटाने के नाम पर पटरी कारोबारियों के खिलाफ कार्रवाई कर रहा है। निगम की इस कार्रवाई की वजह से रोड पटरी पर कारोबार करने वालों के सामने संकट पैदा हो गया है। सड़क किनारे दुकानें नहीं लग पा रही हैं जिससे हजारों लोगों के सामने रोजीरोटी का संकट पैदा हो गया है। शहर के सरदार पटेल मार्ग, सरोजनी नायडू मार्ग, महात्मा गांधी मार्ग सहित नैनी और कटरा के पटरी कारोबारी मंगलवार को अपनी शिकायत लेकर नगर निगम के दफ्तर पहुंचे और नगर आयुक्त को ज्ञापन सौंपकर राहत की मांग की। पटरी कारोबारियों का कहना है कि प्रशासन बड़े व्यापारियों और मॉल संचालकों के दबाव में उन्हें कारोबार नहीं करने दे रहा है। मॉल संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए स्ट्रीट वेंडरों का उत्पीड़न किया जा रहा है, दुकानें तोड़ी जा रही हैं। इससे कई दिनों से दुकानदार अपनी दुकान नहीं लगा पा रहे हैं। घर चलाना मुश्किल हो गया है। पटरी कारोबारियों का कहना है कि उन्हें उजाड़ने से पूर्व निगम को उनके पुनर्वास

की व्यवस्था करनी चाहिए थी, पक्की दुकानें बना कर उन्हे कारोबारियों को आवंटित करना चाहिए था तब उन्हें हटाने की बात सोचनी चाहिए थी लेकिन निगम उन्हें दुकानें आवंटित किए बगैर हटाने पर आमादा है जो सरासर अन्याय है। इनमें कुछ लोग ऐसे भी हैं जो कई पीढ़ियों से पटरी पर दुकान लगाते आ रहे हैं। इन्हीं छोटी मोटी दुकानों से उनका परिवार पल रहा है। दुकानदारों का कहना है कि वह सड़क पर दुकान लगाकर परिवार चला रहे हैं, कारोबार पूरी तरह बंद हो जाएगा तो घर कैसे चलेगा। नाराज दुकानदारों का कहना था कि एजी ऑफिस के पास 450 कारोबारी चिह्नित किए गए थे, इन्हें पक्की दुकानें आवंटित की जानी थी लेकिन हुआ कुछ नहीं। दुकानदार पटरी से हटा दिए गए और दुकानें भी नहीं मिली तो व्यवसाय कहां करेंगे। आए दिन दुकान उजाड़े जाने की समस्या से परेशान पटरी कारोबारी वृहद आंदोलन की तैयारी में हैं, इनका संगठन भी सक्रिय हो गया है। समस्या का निदान न होने नाराज लोग कभी भी सड़क पर उतर सकते हैं। पक्के निर्माणों पर नहीं है नजर स्ट्रीट वेंडरों का कहना है कि नगर निगम छोटे दुकानदारों का उत्पीड़न कर रहा है और उन्हें कारोबार नहीं करने दे रहा है लेकिन असरदार लोगों के पक्के निर्माण उसे नहीं दिख रहे हैं। कई स्थानों पर लोगों ने पटरी पर अतिक्रमण कर पक्के निर्माण कर लिए हैं। नालियों को भी नहीं छोड़ा है। नगर निगम पहुंच वाले बड़े व्यापारियों के अतिक्रमण को हटाने से कतराता है, उसे मात्र पटरी कारोबारी ही दिखते हैं। स्ट्रीट वेंडरों ने नगर आयुक्त को सौंपा ज्ञापन सरोजनी नायडू मार्ग पर अर्बन बाजार के टेंडर की जानकारी पर स्ट्रीट वेंडरों ने महारानी लक्ष्मी बाई पथ विक्रेता यूनियन, हॉकर्स ज्वाइंट एक्शन कमेटी और आजाद स्ट्रीट वेंडर यूनियन के एक प्रतिनिधिमंडल ने नगर आयुक्त को ज्ञापन सौंपा। प्रतिनिधिमंडल में शामिल रवि शंकर द्विवेदी ने बताया कि सरोजनी नायडू मार्ग पर अर्बन बाजार में 60 दुकानो के लिए दिनांक 11 अगस्त को निविदा का विज्ञापन निकाला जबकि तीन अक्टूबर 2020 को नगर विक्रय समिति (टाउन वेंडिंग कमेटी) की बैठक में सरोजनी नायडू मार्ग पर वेंडिंग जोन का प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किया जा चुका है जिसका सर्वे किया जा चुका है। ऐसे में अर्बन बाजार के लिए 60 दुकानों का टेंडर स्ट्रीट वेंडर एक्ट 2014 का उल्लघंन है। यूनियन व स्ट्रीट वेंडरो की मांग है सरोजनी नायडू मार्ग पर पूर्व में पारित वेंडिंग जोन में 450 दुकानों का निर्माण व आंवटन स्ट्रीट वेंडर एक्ट 2014 के अनुसार कराया जाए। चिंता में कारोबारी, कैसे चुकता होगा लोन कई पटरी कारोबारियों ने बताया कि उन्होंने प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के तहत बैंकों से लोन ले रखा है। लोन लेकर वह कारोबार कर रहे थे। पटरी पर रोज दुकान लगाते थे और जो कमाई होती थी उससे लोन की किस्त भरते थे। कई दिनों से दुकान न लगने के कारण उनके सामने लोन की किस्त चुकाने का संकट आ खड़ा है। दुकानदारों का कहना है कि कारोबार ठप है, घर चलाना मुश्किल हो गया है और ऊपर से किस्त कैसे भरें, यह चिंता बनी हुई है। दुकानें नहीं लगेंगी तो किस्त भरना कठिन हो जाएगा। धमकी से दहशत में पटरी कारोबारी स्ट्रीट वेंडरों का कहना है कि नगर निगम के कर्मचारी आए दिन आकर धमकी देते हैं। दुकान तोड़ने और सामान उठा ले जाने की आए दिन की धमकी से स्ट्रीट वेंडर दहशत में हैं। उन्हें हमेशा यह डर बना रहता है कि दुकान तोड़ दी जाएगी। बड़ी संख्या में दुकानदार धमकी से घबरा कर दुकान नहीं लगा रहे हैं। पटरी कारोबारियों का आरोप है कि निगमकर्मी पहचान कर कार्रवाई करते हैं। जिन्हें चाहते हैं धमकाते हैं और जिसे चाहते हैं छोड़ देते हैं। इससे लोगों में काफी नाराजगी देखी जा रही है।

प्रशासन ने बिना पूर्व सूचना दुकान हटा दी। रोज की आमदनी बंद हो गई है और परिवार संकट में आ गया है। हमें वैकल्पिक जगह दी जाए जिससे हम अपने परिवार का भरणपोषण कर सकें।–अनिल कुमार सोनकर अचानक हुई कार्रवाई से हमारी कमाई पर काफी असर पड़ा है। बच्चों की पढ़ाई और घर का खर्च चलाना मुश्किल हो गया है। प्रशासन को इस पर पुनर्विचार करना चाहिए जिससे समस्या का निदान हो सके।–अविनाश जायसवाल रोजगार छिनने से घर चलाना मुश्किल हो गया है। दुकानें हटाने से पहले पुनर्वास की व्यवस्था होनी चाहिए थी। वैकल्पिक जगह दिए बिना दुकानें उजाड़ना गलत निर्णय है । जिम्मेदारों को इस पर विचार करना चाहिए।–अखिलेश केशरवानी हमने वर्षों तक यहां दुकान लगाकर परिवार चलाया। अचानक सब उजड़ गया। अब रोज़ी–रोटी का साधन ही नहीं रहा तो हम अपना जीवन यापन कैसे करेंगे। नगर निगम के अधिकारियों को इस पर विचार करना चाहिए।–शुभम सोनकर नगर निगम का फैसला न्याय संगत नहीं है। जब तक वैकल्पिक जगह नहीं दी जाती दुकानें नहीं हटाना चाहिए था। नगर निगम की यह तानाशाही है। निगम बड़े व्यापारियों और मॉल संस्कृति को बढ़ावा देने में लगा है।–अनिल केसरवानी नगर निगम की कार्रवाई के कारण हमारा रोजगार खत्म हो गया। प्रशासन को चाहिए कि हमें मार्केट में जगह दिलाए, ताकि सही से हमारा जीवनयापन हो सके। दुकानदारों को बगैर दुकान आवंटित किए उजाड़ना गलत है।–ओम प्रकाश वर्षों से हम बस अड्डे के पास यहां दुकान लगा रहे थे। दुकान हटा देने से हमें बहुत नुकसान हुआ। अब घर की जिम्मेदारी पूरी नहीं हो पा रही। बच्चों की स्कूल फीस कैसे जमा होगी नहीं समझ में आ रहा है।–प्रदीप यादव हमारी दुकान ही रोजीरोटी का साधन थी। अचानक दुकान हटा दी गई। हमारे जीवनयापन पर संकट आ गया है। हमारे पास जीवन यापन का कोई दूसरा रास्ता नहीं है। क्या करें, समझ में नहीं आ रहा है।–मनोज कुमार नगर निगम का बिना नोटिस दिए दुकान हटाना सही नहीं है। बच्चों का पेट पालना मुश्किल हो गया। हम दुकानदारों को वैकल्पिक जगह मिलनी चाहिए जिससे हम सम्मान से मेहनत कर परिवार चला सकें।–अनिल तिवारी

लड़की बनने के लिए युवक ने गूगल से सीखी सर्जरी, फिर सर्जिकल ब्लेड से काट लिया प्राइवेट पार्ट

प्रयागराज। यूपी के प्रयागराज से एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। जहां यूपीएससी की तैयारी करने वाले एक छात्र ने सर्जिकल ब्लेड से अपना प्राइवेट पार्ट काट लिया। युवक को भीतर से लगता था कि वह शारीरिक रूप से भले ही लड़का हो लेकिन अंदर से वह एक लड़की है। उसकी चाल ढाल और आवाज भी लड़कियों की तरह है। ऐसे में उसने अपना जेंडर चेंज कराने के लिए ये खौफनाक कदम उठाया। फिलहाल अस्पताल में युवक का इलाज चल रहा है।

अमेठी का रहने वाला युवक प्रयागराज में किराये के मकान में रहकर प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करता था। युवक को लगता था कि उसके चलने की स्टाइल लड़कियों के जैसे है। आवाज भी वैसे ही है। ऐसे में उसने कटरा स्थित एक डॉक्टर से सलाह ली। तब डॉक्टर ने कहा कि अगर वह खुद से संतुष्ट नहीं है तो जेंडर

चेंज करा के लड़की बन सकता है। ऐसे में युवक ने तीन दिन पहले मेडिकल स्टोर से सर्जिकल ब्लेड और बेहोश करने वाला इंजेक्शन लेते आया।

युवक ने गूगल और यूट्यूब पर इस बारे में रिसर्च करने लगा। जहां उसे सर्जरी के बारे जानकारी मिली। इसके बाद उसने खुद को बेहोशी का इंजेक्शन लगाया। फिर सर्जिकल ब्लेड से प्राइवेट पार्ट काट दिया। जब बेहोशी का असर कम होने लगा तो युवक की तबीयत बिगड़ने लगी। वह कमरे में ही दर्द से तड़पने लगा। जानकारी मिलने पर मकान मालिक और हॉस्टल के अन्य युवक कमरे में आए। युवक कमरे में खून से लथपथ था। आनन–फानन में उसे स्वरूप रानी नेहरू अस्पताल ले जाया गया। फिलहाल युवक की हालत स्थित है। जब इस बात की भनक युवक के परिजनों को हुई तो वह दंग रह गए। युवक की मां ने बताया कि उसका बेटा ऐसा नहीं है। किसी ने उसे भटकाया है। महिला ने उस डॉक्टर के खिलाफ भी कार्रवाई की मांग की जिसने युवक को जेंडर चेंज कराने की सलाह दी थी। उधर, इस मामले में सर्जन डॉ. संतोष सिंह ने बताया कि अगर अगर युवक को समय पर अस्पताल नहीं लाया जाता तो उसकी जान भी जा सकती थी।

वाराणसी–प्रयागराज–आगरा को बाढ़ से राहत, गंगा और यमुना का जलस्तर हर घंटे हो रहा कम

प्रयागराज। यूपी के वाराणसी में करीब 24 घंटे स्थिर रहने के बाद गुरुवार दोपहर से गंगा में आधा सेमी प्रतिघंटे का घटाव शुरू हो गया। जलस्तर स्थिर होने पर तटवर्ती इलाकों के लोग भयभीत थे। घटाव शुरू होने पर उन्होंने राहत की सांस ली। राजघाट गेज पर रात 10 बजे बहाव 70.79 मीटर पर था।

बाढ़ के कारण मणिकर्णिका घाट पर दाह संस्कार के लिए शवों का नावों से लेकर जाना पड़ा, जबकि हरिश्चंद्र घाट पर गलियों में शवदाह हुआ। दशाश्वमेध, शीतला, राजेंद्र प्रसाद सहित आसपास के घाटों पर तर्पण करने के लिए सड़कों और गलियों में बैठना पड़ा रहा है। अस्सी घाट पर भी यह पीड़ा दिखी। वरुणा किनारे कोनिया से लेकर ढेलवरिया और लोहता के तटवर्ती इलाकों में भी संकट बना हुआ है।

यमुना का जलस्तर 31 सेमी और गिरा, लोगों को मिलने लगी राहत

आगरा और मथुरा में यमुना जलस्तर में हो रही निरंतर गिरावट के बाद बाढ़ प्रभावित क्षेत्र के वाशिंदों के लिए गुरुवार का दिन थोड़ी राहत और लेकर आया। गुरुवार रात आठ बजे तक यमुना का जलस्तर गिरकर 166.65 मीटर पर पहुंच गया, जो अभी भी खतरे के निशान से 67 सेंटीमीटर ऊपर है। जलस्तर में पिछले 20 घंटे में 31 सेंटीमीटर की गिरावट और दर्ज की गयी।

यमुना के जलस्तर में हो रही गिरावट के बाद अभी भी जयसिंहपुरा खादर और वृंदावन के खादर वाले क्षेत्रों के वाशिंदों को धीरे–धीरे बाढ़ से तो राहत मिल रही है। मथुरा में यमुना का जलस्तर 167.67 मीटर के उच्चतम स्तर तक पहुंच गया था। इसके बाद लगातार तीसरे दिन भी गुरुवार को यमुना के जलस्तर में राहत देने वाली गिरावट दर्ज की गयी। बीती रात एक बजे यमुना का जलस्तर 166.96 मीटर पर था, जो गुरुवार रात आठ बजे 166.65 मीटर तक गिर गया। इस गिरावट के बाद यमुना में डूबी घाटों की सीढ़ियां भी बाढ़ मुक्त होनी शुरु हो गयी हैं।

उधर, गुरुवार को गोकुल बैराज से डिस्चार्ज कम होकर 1.18 लाख क्यूसेक कर दिया है। दूसरी ओर ओखला बैराज से डिस्चार्ज 42 हजार 600 हजार क्यूसेक तथा ताजेवाला के हथिनी कुंड बांध से 24 हजार क्यूसेक डिस्चार्ज हो रहा है। जनपद में आई बाढ़ से 58 गांव प्रभावित हुए हैं, जिनमें 33 गांव की आबादी तथा 25 गांवों की फसल प्रभावित हुई है। तीन गांवों में बाढ़ से कटान हुआ है।

बूंद–बूंद कम होते जलस्तर ने बढ़ाई लोगों की चिंता

प्रयागराज में भी गंगा–यमुना के जलस्तर में कमी गुरुवार को जारी रही लेकिन पूरे दिन में महज तीन सेंटीमीटर जलस्तर कम होने से बाढ़ पीड़ितों की चिंता बनी हुई है। अनुमान यही लगाया जा रहा है कि जलस्तर एक बार फिर रफ्तार पकड़ेगा। जिले में अफसरों की नजर टोंस पर टिकी है। अफसरों का कहना है कि इटावा में यमुना का जलस्तर खतरे के निशान के ऊपर है और डलमऊ में गंगा का जलस्तर भी लगातार बढ़ रहा है, ऐसे में अभी दो से तीन दिन में एक बार फिर जलस्तर बढ़ने की उम्मीद है।

सामुदायिक केंद्र के संचालन के लिए पीडीए ने निकाली निविदा

बोले असर प्रयागराज। प्रयागराज विकास प्राधिकरण (पीडीए) ने कालिंदीपुरम आवास योजना में बने यमुनोत्री सामुदायिक केंद्र (बारात घर) के संचालन एवं रखरखाव के लिए निविदा निकाल दी है। पीडीए के प्रभारी अधिकारी संपत्ति की ओर से निकाली गई निविदा में इस काम के इच्छुक व्यक्ति, फर्म अथवा संस्था से 24 सितंबर तक आवेदन मांगे गए हैं। करोड़ों रुपये खर्च कर इसका निर्माण 2019 में हुआ था पर देखरेख न होने के कारण यह बदहाल हो चुका है। इसकी बदहाली का मुद्दा तहत उठाया गया था। जिसमें बताया गया था कि जिम्मेदारों के ध्यान न देने से यह भवन अराजकतत्वों का अड्डा बन चुका है, जिससे आसपास के लोगों को परेशानी तो हो ही रही है, वे इसका लाभ भी नहीं उठा पा रहे हैं। खबर का संज्ञान लेते हुए पीडीए ने मंगलवार को निविदा निकाल दिया। खास बात यह है कि निविदा में कालिंदीपुरम के साथ ही पीडीए की त्रिवेणीपुरम आवास योजना में बनाए गए गंगोत्री सामुदायिक केंद्र को भी शामिल किया गया है। पीडीए के सचिव ने बताया कि इस बार निविदा की प्रक्रिया नियमानुसार पूरी कराने के बाद संबंधित को भवन की देखरेख के लिए जिम्मेदारी सौंप दी जाएगी, जिससे लोग इसका उपयोग कर सकें।

सामुदायिक केंद्र की लंबे समय से अनदेखी के चलते इसकी हालत दयनीय हो गई है। इस बार उम्मीद है की निविदा प्रक्रिया पूरी कराने के बाद इसकी देखरेख होगी और लोगों को इसका लाभ मिलेगा। इस पर जिम्मेदारों का ध्यान दिलाने के लिए 'हिन्दुस्तान का आभार। –हर्ष केसरवानी

निविदा प्रक्रिया पूरी होने के बाद अगर इसका संचालन शुरू हो जाए तो लोगों को मांगलिक आयोजन या फिर अन्य सामूहिक कार्यों के लिए काफी सहूलिय मिलेगी। हिन्दुस्तान में खबर छपने के बाद निविदा निकाली गई है। इसके लिए 'हिन्दुस्तान अखबार का शुक्रिया है। –जेपी तिवारी

13 साल बाद भी बीईओ की पदोन्नति के आसार नहीं

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश शैक्षिक (सामान्य शिक्षा संवर्ग) संशोधन नियमावली 2025 के जरिए पदोन्नति कोटे में परिवर्तन के बाद शासन के उप सचिव सत्येन्द्र कुमार श्रीवास्तव ने माध्यमिक शिक्षा निदेशक डॉ. महेन्द्र देव से खंड शिक्षा अधिकारियों की पदोन्नति के लिए कार्यवाही एवं डीपीसी बैठक के संबंध में प्रस्ताव मांगा है। हालांकि तमाम कोशिशों के बावजूद 13 साल बाद भी खंड शिक्षा अधिकारियों की पदोन्नति के आसार नजर नहीं आ रहे हैं। तमाम कोशिशों के बावजूद 32 साल बाद पदोन्नति कोटा तो परिवर्तित हो गया लेकिन 2012–13 में खंड शिक्षाधिकारी कैडर में सम्मिलित नगर शिक्षा अधिकारियों की ओर से हाईकोर्ट में वरिष्ठता को लेकर दायर याचिका विचाराधीन होने के कारण पदोन्नति होना मुश्किल लग रही है।

नगर शिक्षा अधिकारी का कैडर 1997 में डाईंग घोषित हो गया था और उन्हें 2012–13 में खंड शिक्षाधिकरी कैडर में शामिल कर लिया गया। उत्तर प्रदेशीय विद्यालय निरीक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष प्रमेन्द्र शुक्ला का कहना है कि नगर शिक्षा अधिकारियों को नियमानुसार वरिष्ठता सूची में सबसे नीचे होना चाहिए था लेकिन उनकी ओर से 2016 में याचिकाएं दायर कर दी गई जो विचाराधीन है। उनका कहना है कि सरकार यदि हाईकोर्ट में पैरवी करके याचिका निस्तारण करवा दें तो पदोन्नति की अड़चन दूर हो जाएगी। 32 साल बाद पदोन्नति कोटे में हुआ संशोधन शिक्षा विभाग में समूह ख (बीएसए एवं समकक्ष) के कुल पदों में से 50 प्रतिशत पद सीधी भर्ती से जबकि 50 प्रतिशत पदोन्नति से भरे जाने की व्यवस्था है।

सीएमपी महाविद्यालय में सर्वाइकल कैंसर पर व्याख्यान का आयोजन

प्रयागराज। सीएमपी महाविद्यालय में "सर्वाइकल कैंसर" पर व्याख्यान का आयोजन डॉ. सपना मौर्या, असिस्टेंट प्रोफेसर, समाजशास्त्र विभाग, सदस्य आंतरिक शिकायत समिति द्वारा किया गया। कार्यक्रम की मुख्य वक्ता "डॉ. कीर्तिका अग्रवाल, डायरेक्टर, वात्सल्य हॉस्पिटल प्रयागराज रही। कार्यक्रम में कीर्तिका जी ने सर्वाइकल कैंसर क्या है? उसके कारण, उपचार व वैक्सीन के विषय में विस्तारपूर्वक बताया, उन्होंने छात्रो व

प्राध्यापकों के प्रश्नों का भी बड़ी सहजता से उत्तर दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य प्रो. अजय प्रकाश खरे ने की। अथितियों का स्वागत डॉ. सरोज सिंह, संयोजिका, आईआईसी सेल, सीएमपी डिग्री कॉलेज द्वारा किया गया। मंच संचालन शिखा, शोध छात्रा, समाजशास्त्र विभाग और धन्यवाद ज्ञापन डॉ. रुचिका वर्मा द्वारा किया गया। कार्यक्रम के आयोजक डॉ. सपना मौर्या, समिति के सदस्य, अन्य सम्मानित शिक्षकगण डॉ. दीप्ति विष्णु, डॉ आभा त्रिपाठी, डॉ ऋतेश, डॉ तनया, डॉ, मनीष, डॉ रामचिरंजीव, आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम को सफल बनाने में सबसे बड़ा योगदान हमारे वालंटियर छात्रों, मुख्य कॉलेज प्रशासन व स्टाफ़ ने दिया।

जबलपुर इकाई की काव्यगोष्ठी सम्पन्न

जबलपुर। शहर समता विचार जबलपुर इकाई की काव्यगोष्ठी सितंबर माह के काव्य गोष्ठी ऑनलाइन विषय हमारी हिंदी सफलतापूर्वक संपन्न। काव्यगोष्ठी का शुभारंभ अध्यक्षता कर रही रचना सक्सेना, मुख्य अतिथि डा. राजलक्ष्मी शिवहरे सारस्वत अतिथि कामना कौस्तुभ विशिष्ट अतिथिअतिथि छाया त्रिवेदी,

अर्चना मलैया एवं चंद्र प्रकाश वैश्य सभी अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन और सरस्वती की मूर्ति में माल्यार्पण द्वारा किया गया। सरस्वती वंदना की सुंदर प्रस्तुति रश्मि पांडे द्वारा । काव्य गोष्ठी का संयोजन उमा मिश्रा प्रीति एवं संचालन अनीता दुबे ने किया। अतिथियों का स्वागत सिद्धेश्वरी सराफ एवं छाया सक्सेना। काव्य गोष्ठी में सभी बहनों ने अपनी सुंदर रचनाओं की प्रस्तुति द्वारा आयोजन में चार चांद लगा दियें। कृष्णा राजपूत रेखा चौधरी, डॉ मुकुल त्रिपाठी, मंजूषाकिंजवडकर ,राजकुमारी रैकवार, प्रभा बच्चन श्रीवास्तव रचना सक्सेना जबलपुर, रश्मि पांडे,डॉ आशा श्रीवास्तव, शशिकला सेन, अनुराधा गर्ग, आरती श्रीवास्तव, डा. कुमकुम शुक्ला, कुमारी चंदा देवी स्वर्णकार शैली सेठ। धन्यवाद ज्ञापन अनुराधा गर्ग किया।

कृषि विश्वविद्यालय नैनी में कार्यक्रम का आयोजन

प्रयागराज। कृषि विश्वविद्यालय (।हतपबनसजनतम न्दप. अमतेपजल) नैनी प्रयागराज में नेशनल कांफ्रेंस आफ नेशनल एजुकेशन पालिसी ग्रोथ आफ एग्रीकल्चर,साइंस एंड टेक्नोलॉजी मुख्य अतिथि अनामिका चौधरी निषाद प्रदेश मंत्री भारतीय जनता पार्टी उत्तर प्रदेश एवं प्रभारी चंदौली ने कहा कि हमारा

देश भारत विश्व की चौथी अर्थव्यवस्था से विश्व की तीसरी अर्थव्यवस्था में प्रवेश करने जा रही है, हमारे युवा पीढ़ी भी नयी शिक्षा नीति से बहुत लाभांवित होंगे। मोदी जी ने प्रत्येक विश्वविद्यालयों में नये नये कोर्सेज शुरू कर युवाओं को रोजगार परक शिक्षा से उन्हें आत्मनिर्भर, स्वावलंबी और अपने पैरों पर खड़े होकर विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने में सक्षम बनाना है। इसके पूर्व प्रोफेसर रानू देवी ने अनामिका चौधरी निषाद को अंगवस्त्रम, पुष्प गुच्छ व स्मृति चिन्ह भेंट कर स्वागत किया। वाइस चांसलर डॉ राजेन्द्र बी लाल, डॉ सुचित, डॉ रीतू दुबे, डॉ रमाकांत दुबे, कार्यक्रम संयोजक डॉ शोभा ठाकुर के साथ बहुतायत में रिसर्चर और स्टाफ के लोग उपस्थित रहे।

होली चाइल्ड पब्लिक इण्टर कॉलेज, जडौदा, मुजफ्फरनगर में नेशनल इस्टीट्यूट होलेस्टिक हैल्थ (एन०आई०एच०) का 7वां स्थापना दिवस

मुज़फ्फरनगर। मेरा वजूद फाउण्डेशन के सहयोग से आचार्य डॉ0 चन्द्रशेखर शास्त्री, डॉ0 आर0एस0 दवास, डॉ0 राहुल बंसल, डॉ0 पी0के0 चौहान, एडवोकेट पवन दूबे, चेयरमैन (एन0आई0एच0) डॉ0 विनोद कश्यप, चेयरमैन मेरा वजूद फाउण्डेशन प्रवेन्द्र दहिया, संजीव अग्रवाल, डॉ0 कीर्तिवर्धन अग्रवाल, डॉ0 राजीव कुमार, अनिल कुमार शास्त्री, हेमन्त चौधरी, आदित्य दहिया द्वारा दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया तथा साथ ही साथ योगा नैचरोपेथी के क्षेत्र में श्रेष्ठ कार्य करने वाले व्यक्तियों को संस्था की ओर से सम्मानित किया गया।

डॉ0 विनोद कश्यप ने कहा कि यह कार्यक्रम स्वस्थ गांव स्वस्थ भारत एवं चलो गांव की ओर इस थीम पर हम कार्य कर रहे है। योग को शहर से गांव की ओर लेकर जाना है, स्वस्थ गांव और स्वस्थ भारत को बनाये रखने के लिए हम सबको मिलकर कार्य करना है। योग ही जीवन का आधार है।

डॉ0 आर0एस0 दवास ने कहा कि नेशनल इस्टीट्यूट होलेस्टिक हैल्थ स्वास्थ्य जागरूकता के लिए गांव–गांव तक कार्य करने के लिए तैयार है। डॉ0 आचार्य चन्द्रशेखर शास्त्री ने योग की उपयोगिता

को समझते हुए ग्राम स्तर तक ले जाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि प्राचीन भारत में गुरूकुल के माध्यम से योग प्रत्येक घर तक पहुंचा हुआ था। एन0आई0एच0 द्वारा यह कार्य पुनः आरम्भ हो रहा है, यह प्रसन्नता का विषय है।

डॉ0 पी0के0 चौहान ने कहा कि भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के माध्यम से योग में अनेक पाठ्यक्रम आरम्भ किये गये हैं जिनसे आम जनता का शैक्षणिक स्तर बढेगा।

एडवोकेट पवन दूबे ने एन0आई0एच0 के 7वें स्थापना दिवस के उपलक्ष में आयोजित कार्यक्रम की बधाई दी।

कार्यक्रम का सफल संचालन डॉ0 राजीव कुमार ने किया। ग्रीन लैण्ड जूनियर हाई स्कूल और होली चाइल्ड पब्लिक इण्टर कॉलेज और योगाचार्या सीमा सिंह के विद्यार्थियों को योग का शानदार प्रदर्शन किया। डॉ0 कीर्तिवर्धन, संजीव अग्रवाल एवं प्रवेन्द्र दहिया ने आये हुए अतिथयों एवं कार्यक्रम में प्रतिभाग करने वाले सम्मानितजनों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि प्रत्येक मनुष्य स्वस्थ रहना चाहता है तो उसे उत्तम दिनचर्या, योग एवं नैचरोपैथी का उपयोग कर वे स्वस्थ रह सकते है।

नैचरोपैथी एवं योग के क्षेत्र में विशेष कार्य करने वाले सुरेन्द्र मान, सहदेव आर्य, सोनिया लुथरा, डॉ0 धिरेन्द्र गुप्ता, डॉ0 हबीब रहमान, डॉ0 सुनील राजपूत, आचार्या धीरज, योगाचार्य विश्वास त्यागी, देवेन्द्र राणा, अनुज शर्मा, संजीव जलोत्रा, कुलदीप मित्तल, सीमा सिंह, डॉ0 यशपाल सिंह, योगाचार्य सतकुमार और लगभग 60 लोगों को संस्था की ओर से सम्मानित किया गया।

एसडीएम जानसठ जयेंद्र सिंह सस्पेंड, 750 बीघा जमीन रिश्वत लेकर नाम करने के मामले में एक्शन

मुजफ्फरनगर। जनपद की जानसठ तहसील से एक बड़ा भूमि घोटाला सामने आया है, जिसमें वर्तमान एसडीएम जयेंद्र सिंह पर अरबों की सरकारी जमीन किसान के नाम करने का गंभीर आरोप लगा है। यह मामला गांव इसहाकवाला में स्थित सरकारी जमीन से जुड़ा है, जहां 1962 में डेरावाल कॉर्पोरेटिव फार्मिंग सोसायटी की स्थापना की गई थी। सोसायटी के पास करीब 900 बीघा जमीन थी।

इस जमीन को लेकर लंबे समय से सोसायटी के सदस्य जीवन दास के बेटे गुलशन और हरबंस (जो 1972 में अलग हो गए थे) के पोते के बीच विवाद चला आ रहा था। वर्ष 2018 में तहसील प्रशासन ने स्वयं हाईकोर्ट को सूचित किया था कि हरबंस का इस जमीन से कोई संबंध नहीं है। बावजूद इसके मार्च 2024 में एसडीएम पद पर तैनात हुए जयेंद्र सिंह ने मामले की सुनवाई फिर से शुरू की।

रातों–रात बदला आदेश, किसान के नाम जमीन

19 जुलाई 2025 को एसडीएम ने अचानक आदेश जारी कर 600 बीघा सोसायटी की और 150 बीघा सरकारी जमीन हरबंस के नाम से किसान के नाम कर दी। जैसे ही इसकी जानकारी सोसायटी के सदस्य गुलशन को हुई, उन्होंने अपने बेटे ईशान के साथ 29 जुलाई को डीएम उमेश मिश्रा से मिलकर शिकायत की। डीएम ने तत्परता दिखाते हुए एडीएम के नेतृत्व में तीन सदस्यीय जांच टीम बना दी थी।

इसके बाद एसडीएम जयेंद्र सिंह ने रातों–रात अपने ही दिए आदेश को निरस्त कर दिया। जांच टीम ने मामले की तह तक जाकर तथ्यों की पुष्टि करते हुए डीएम को रिपोर्ट सौंप दी थी। इसके बाद शिकायतकर्ता भी डीएम से मिले और कार्यवाही की मांग की थी। बताया गया है कि यह जमीन हाईवे के बिल्कुल सामने स्थित है, जिस पर पहले ही सोसायटी और किसान ने मुआवजे की मांग को लेकर हाईकोर्ट का रुख किया था।

कोर्ट ने उस जमीन को सरकारी मानते हुए मुआवजा देने से इनकार कर दिया था। इसके बावजूद एसडीएम जयेंद्र सिंह सिंह द्वारा वही जमीन कागजों में निजी नाम पर दर्ज कर दी गई थी। प्रशासनिक सूत्रों ने बताया कि इसमें दोष साबित होने पर शासन ने जिलाधिकारी की रिपोर्ट पर एसडीएम जयेन्द्र सिंह को सस्पेंड कर दिया है।

सीएम आवास के पास जहर खाया, मौत

मरने से पहले कहा अधिकारियों से परेशान हूं

लखनऊ, संवाददाता। राजधानी लखनऊ में सीएम आवास से 100 कदम दूर जहर खाने वाले युवक की मौत हो गई है। वह शुक्रवार सुबह 9.20 बजे लामार्ट्स चौराहे पर पहुंचा। पुलिस को चिल्लाकर बताया– उसने जहर खा लिया है। पुलिसकर्मी युवक को लड़खड़ाता देखकर घबरा गए। उसे तुरंत सिविल हॉस्पिटल ले गए। वहां उसे एडमिट कराया। डॉक्टरों ने उसका ट्रीटमेंट शुरू किया। ढाई घंटे बाद इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। मृतक की पहचान बुलंदशहर के ततारपुर के रहने वाले अजय के रूप में हुई। मरने से पहले अजय ने पुलिस को बताया था वह बिजली विभाग के अधिकारियों से परेशान है। वहीं, उसके बेटे ने बताया है कि विभाग ने पिता पर मुकदमा करा दिया था। पुलिस के मुताबिक, अजय ने पूछताछ में बताया था– 2014 में आटा चक्की लगाई थी। कुछ महीने पहले ट्रांसफॉर्मर फुंक गया। उसने

विभाग से शिकायत की तो ट्रांसफॉर्मर बदलवा दिया, लेकिन नया ट्रांसफॉर्मर भी एक घंटा भी नहीं चल पाया। दोबारा ट्रांसफॉर्मर जल गया तो बिजली विभाग के अफसरों ने अब तक ट्रांसफॉर्मर नहीं बदला। वह बार–बार विभाग के चक्कर काट रहा। इसके बावजूद उसका काम नहीं हो पा रहा। विभाग के कर्मचारी उससे खर्चा मांग रहे। बिजली विभाग के अफसर ट्रांसफॉर्मर ठीक कराने के लिए के लिए 70: खर्चा मांग रहे। बिजली विभाग की तरफ से एक एस्टीमेट बनाया गया, जिसमें मुझसे कहा गया कि ट्रांसफॉर्मर ठीक करने का 70: भुगतान आपको करना होगा, तभी नया ट्रांसफॉर्मर लग पाएगा। इससे आहत होकर शुक्रवार सुबह मैं सीएम से जनता दरबार में मिलने के लिए लखनऊ आया। बुलंदशहर के विद्युत वितरण खंड के अधिशासी अभियंता सुशील कुमार पांडेय ने कहा मामले की जांच कराई जा रही है। यह उपभोक्ता मुझसे सीधे कभी नहीं मिला। विभाग यह पता लगा रहा है कि किस अधिकारी या कर्मचारी की लापरवाही से ट्रांसफॉर्मर की समस्या हल नहीं हुई। दोषी पाए जाने पर संबंधित के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। बुलंदशहर में अजय के बेटे मोहित ने बताया कि वह गाजियाबाद में रहकर प्राइवेट नौकरी करता है और घर का खर्च चलाता है। ट्रांसफॉर्मर खराब होने के बाद बिजली विभाग ने उन पर बिजली चोरी का मुकदमा दर्ज करा दिया। यह मामला फिलहाल कोर्ट में विचाराधीन है। पत्नी अनीता ने बताया कि वह हम लोगों से 6 साल से अलग रह रहे थे। अपनी चक्की चलाते थे। सोमवार दोपहर अचानक घर से बिना बताए चले गए थे। जाने से पहले उन्होंने अपना मोबाइल फोन ईंट से तोड़ दिया था। परिवार को नहीं पता था कि वे कहां गए। शुक्रवार दोपहर जब प्रशासनिक अधिकारी घर पहुंचे तो उन्हें सूचना मिली कि अजय शर्मा ने लखनऊ में जहर खाकर आत्महत्या कर ली है।

बेटे को छूना चाहिए था राहुल गांधी के पैर : दिनेश प्रताप

लखनऊ, संवाददाता। बीजेपी नेता और उत्तर प्रदेश सरकार में उद्यान राज्य मंत्री दिनेश प्रताप सिंह ने उस तस्वीर पर सफाई दी है जिसमें भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के नेता राहुल गांधी ने उनके बेटे से हाथ मिलाते नजर आ रहे थे। दिनेश प्रताप सिंह ने कहा कि उनके बेटे को राहुल से हाथ नहीं मिलाना चाहिए था,उनके पैर छूने चाहिए थे।सोशल मीडिया साइट फेसबुक पर एक पोस्ट में दिनेश प्रताप सिंह ने लिखा कि कल सम्पन्न हुई रायबरेली दिशा की बैठक के बाद राहुल गांधी ने विधायक और ब्लाक प्रमुख जो दिशा की बैठक में उपस्थित थे,उन विधायकों और ब्लाक प्रमुखो से हाथ मिलाया, जिसमें से सिर्फ मेरे बेटे जो ब्लाक प्रमुख के रूप में बैठक में शामिल था।

उसे गुलहजारा कहें

(कुण्डलिया)

अपने कद आकार से, गुण का है जो सौध।
उसे गुलहजारा कहें,नर्म मुलायम पौध।
नर्म मुलायम पौध,भरे अंतस में औषध।
तन को करे निरोग,ईश के माफिक कर वध।
सुन लो कहें प्रदीप,त्याग की मूरति बनके।
सबका रखे ख़्याल, रहे जो उसके अपने।।

सौ आना यह सत्य है,समझो नहीं विद्रूप।
फूल तना पत्ती बीज,सब हैं औषधि– रूप।
सब हैं औषधि–रूप, गुलहजारा में रहते।
गठिया, फंगस–दवा, गात से निर्मित करते।
सुन लो कहें प्रदीप,इसे जिसने अजमाया।
रहता सदा निरोग, सत्य है यह सौ आना।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

उत्तरप्रदेश में सर्वाधिक उर्वरक वितरण के लिये मुज़फ्फरनगर की चरथावल समिति सचिव प्रीति त्यागी को किया सम्मानित

मुजफ्फरनगर। इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान लखनऊ में सहकारिता मंत्री जेपीएस राठौर एवं मुख्य अतिथि केंद्रीय राज्य मंत्री सहकारिता एवं नागरिक विमानन भारत सरकार मुरलीधर माहौल

प्रमुख सचिव सहकारिता सौरभ बाबू आयुक्त एवं निबंधन योगेश कुमार द्वारा बी पैक्स चरथावल मुजफ्फरनगर को उत्तर प्रदेश में सर्वाधिक उर्वरक वितरण एवं प्रबंध तंत्र के लिए प्रथम पुरस्कार से समिति सचिव प्रीति भारद्वाज एवं समिति सभापति अध्यक्ष भूषण त्यागी को प्रतीक चिन्ह एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया प्रीति त्यागी इससे पूर्व छपार समिति की सचिव भी रही है वहा भी इन्होंने नए आयाम स्थापित किये व कई बार जनपद के नाम पूरे प्रदेश में रोशन कर सम्मान पाया।

शादी समारोह को सुंदर बनाने में कैटरर्स का अहम योगदान : बृजेश पाठक

लखनऊ, संवाददाता। राजधानी लखनऊ के इंद्रागांधी प्रतिष्ठान में टेंट कैटरर्स एवं डेकोरेशन वेलफेयर एसोसिएशन ऑफ उत्तर प्रदेश द्वारा 3 दिवसीय महाधिवेशन का आयोजन किया गया। शुक्रवार को अधिवेशन के उद्घाटन समारोह में डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक शामिल हुए।

महाधिवेशन में टेंट व कैटरर्स की प्रदर्शनी लगी है। अधिवेशन में शामिल हुए डिप्टी सीएम बृजेश पाठक ने व्यापारियों की प्रशंसा किया। इन्होंने कहा कि हमारे घरों में शादी–ब्याह हो या अन्य कोई फंक्शन इसको खूबसूरत और भव्य बनाने में टेंट और कैटरर्स व्यापारियों का महत्वपूर्ण योगदान होता है।

मौजूदा समय में टेंट और कैटरर्स ने बहुत तरक्की कर लिया है । शादियों में बेहद खूबसूरत और भव्य पंडाल देखने को मिलते हैं। लगातार यह व्यवसाय तरक्की कर रहा है और इससे बड़ी तादाद में लोगों को रोजगार भी मिल रहा है। हमारी सरकार उनके साथ खड़ी है और व्यापारियों की हर संभव मदद करेगी। एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष विजय कुमार ने बताया कि 12, 13 और 14 सितंबर तक चलने वाले इस आयोजन का उद्देश्य प्रदेश के व्यापारियों को स्थानीय स्तर पर खरीदारी के लिए प्रोत्साहित करना है। अधिवेशन के माध्यम से प्रदेश भर के व्यापारी अपने फर्नीचर को प्रदर्शनी में लाए हैं। यह अवसर होता है कि आम जनता के साथ व्यापारियों को भी बेहतर फर्नीचर और अन्य सामान मिले।

इन्होंने बताया कि इस अधिवेशन में लगातार व्यापारियों के साथ बड़ी संख्या में प्रदेश सरकार के मंत्री और जिम्मेदार शामिल हो रहे हैं। शुक्रवार को सफलतापूर्वक आयोजन हुआ। शनिवार को भाजपा नेता नीरज सिंह और महापौर सुषमा खर्कवाल मुख्य अतिथि होंगी। अधिवेशन में व्यापारियों का परिचय, सम्मान व सांस्कृतिक कार्यक्रम हो रहे हैं। व्यापारियों को सम्मानित कर उन्हें व्यापार के प्रति अत्यधिक प्रोत्साहित करने का प्रयास किया जा रहा है।

सम्पादकीय.....

राधाकृष्णन से उम्मीदें

इसमें दो राय नहीं कि भारत के पंद्रहवें उपराष्ट्रपति के रूप में सीपी राधाकृष्णन का चुनाव विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र की संवैधानिक यात्रा में निरंतरता और परिवर्तन, दोनों का ही प्रतीक है। सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन यानी राजग के उम्मीदवार के के रूप में उन्होंने विपक्ष के साझा उम्मीदवार बी सुदर्शन रेड्डी को 152 मतों के बड़े अंतर से हराया। यह जीत राजग सरकार की विध ाायी शक्ति और संगठनात्मक अनुशासन को भी रेखांकित करती है। निस्संदेह, भाजपा के लिये, सीपी राधाकृष्णन का चयन एक रणनीतिक कदम ही है। तमिलनाडु के एक अनुभवी नेता, जिनकी आरएसएस में गहरी जड़ें रही हैं, ने पार्टी में महत्वपूर्ण नेतृत्वकारी भूमिकाएं भी निभाई हैं। वे पार्टी से दो बार लोकसभा के लिये सांसद चुने गए। राज्यपाल पद से उन्हें उपराष्ट्रपति पद के लिये पदोन्नत करके, एनडीए ने न केवल उनकी निष्ठा और अनुभव को पुरस्कार दिया है, बल्कि राष्ट्रीय राजनीति में एक दक्षिण भारत के चेहरे को प्रतिष्ठा देकर अपने दूरगामी इरादों को भी जाहिर कर दिया है। जिसका एक सिरा भाजपा के दक्षिण भारत में अपना प्रभाव बढ़ाने के रूप में पार्टी की एक व्यापक महत्वाकांक्षा से भी जुड़ता है। उस महत्वपूर्ण राजनीतिक क्षेत्र में जहां उसे पारंपरिक रूप से चुनावी पैठ बनाने के लिए अब भी संघर्ष करना पड़ता है। उल्लेखनीय है कि सीपी राधाकृष्णन को राजग के उपराष्ट्रपति पद के लिये उम्मीदवार बनाने के निर्णय ने सबको चौंकाया था। वहीं दूसरी ओर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का यह निर्णय उनकी राजनीतिक स्मृति की विरासत को भी दर्शाता है। पार्टी के उन नेताओं का सम्मान करना, जिनकी पार्टी के कठिन वर्षों के दौरान की दृढ़ता ने आज की मजबूत भाजपा के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दिया। वहीं उनका चुना जाना विपक्ष के राजग का सशक्त विकल्प बनाने के संघर्ष को भी उजागर करता है। उप राष्ट्रपति पद के चुनाव में हार का अंतर न केवल राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की ताकत को दर्शाता है बल्कि वहीं दूसरी ओर विपक्ष की फूट और क्रॉस–वोटिंग को भी दर्शाता है। बहरहाल, सीपी राधाकृष्णन का उप राष्ट्रपति पद के लिये चुना जाना विपक्ष के लिये एक सबक जैसा भी है। जो उसे याद दिलाता है कि प्रतीकात्मक मुकाबले एक सुसंगत रणनीति का विकल्प नहीं हो सकते। निर्विवाद रूप से उपराष्ट्रपति का पद केवल औपचारिक व्यक्ति से कहीं अधिक महत्वपूर्ण है। वे सांविधानिक पद सोपान में दूसरे सबसे ऊंचे पद पर तो आसीन होते ही हैं, राज्यसभा के पदेन सभापति के रूप में उनकी जिम्मेदारियां भी महत्वपूर्ण होती हैं। राज्यसभा के पदेन सभापति के रूप में उन्हें उच्च सदन में अकसर होने वाले हंगामेदार वाद–विवादों का भी शालीनतापूर्वक निपटारा करना होगा। उम्मीद की जानी चाहिए कि उनके नेतृत्व में राज्यसभा की कार्यवाही अधिक समावेशी हो सकेगी और सदन में जन सरोकारों से जुड़ा अधिक कार्य हो सकेगा। उनके लिये चुनौती होगी कि वे अपनी वैचारिक संबद्धता के बावजूद, सदन की कार्यवाही के संचालन में निष्पक्षता और न्यायसंगतता का प्रदर्शन करें। यह निर्विवाद सत्य है कि संसद की विश्वसनीयता अध्यक्ष की दलीय सीमाओं से परे सम्मान अर्जित करने की क्षमता पर निर्भर करती है। ऐसे समय में जब संसदीय कार्यप्रणाली सार्वजनिक विमर्श के दायरे में है, अगर राधाकृष्णन दलगत दबावों से ऊपर उठ सकते हैं, विधायी बहस को मजबूत कर सकते हैं और राज्यसभा की गरिमा का संवर्धन करते हैं, तो उनकी विरासत दलीय निष्ठा से कहीं आगे प्रतिष्ठा हासिल करेगी। यह भी एक हकीकत है कि राधाकृष्णन ऐसे वक्त में यह पद संभालेंगे जब सरकार और विपक्ष के बीच असहमति की खाई ज्यादा गहरी नजर आती है। यही असहमति सर्वसम्मत चुनाव पर एक राय नहीं बना पायी है। आने वाले समय में उन्हें पक्ष और विपक्ष को साथ लेकर विधायी कार्यों को गति देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभानी होगी। निस्संदेह, उनकी भूमिका गरिमामय संसदीय परंपराओं को अक्षुण्ण बनाये रखने में भी होगी। जिसके लिये उन्हें राजनीतिक प्रतिबद्धताओं से मुक्त नजर भी आना होगा। विश्वास किया जाना चाहिए कि वे लोकतांत्रिक मूल्यों और संसदीय परंपराओं की कसौटी पर खरे उतरेंगे।

संविधान की ताकत का नया अहसास

डॉ. दीपक पाचपोर

नेपाल बिल्कुल पड़ोस में है, तो वहां के हालात देश पर असर डालेंगे, ऐसी आशंका बनी हुई है। सोशल मीडिया पर हमेशा की तरह किसी भी घटना पर त्वरित फैसले सुनाने वाले अंदाज में लोग टिप्पणियां कर रहे हैं।

नेपाल में सोमवार से शुरु हुए युवाओं के आंदोलन से सत्ता तो उखड़ ही गई है, समूची व्यवस्था भी तहस–नहस हो चुकी है। सेना ने कमान संभाल कर कर्फ्यू लगाया है, काठमांडू की सड़कों पर एक अजीब सा सन्नाटा कायम हुआ है, लेकिन इस सन्नाटे के उस पार क्या होगा, यह केवल उन्हीं लोगों को पता होगा, जिनकी शह पर पूरा आंदोलन खड़ा हुआ है। फिलहाल प्रधानमंत्री और कम से कम 10 मंत्रियों के इस्तीफे तो हो ही चुके हैं, कुछ गिने–चुने प्रतिनिधि बचे हैं, जिन पर इस्तीफे का दबाव है। सरकार के अलावा मीडिया, कारोबार इन सब पर भी आंदोलनकारियों ने अपना गुस्सा जाहिर किया। मंगलवार को संसद भवन, राष्ट्रपति का घर, प्रधानमंत्री का घर समेत कई सरकारी संस्थानों पर आंदोलनकारियों ने आग लगा दी। पूर्व प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा को भीड़ ने पीटा, पूर्व प्रध ाानमंत्री झालानाथ खनाल के घर में आग लगा दी। इसमें उनकी पत्नी राजलक्ष्मी चित्रकार की मौत हो गई। नेपाल के सबसे बड़े मीडिया संस्थान कांतिपुर के दफ्तर को जलाया, हिल्टन होटल को जला दिया, जेल तोड़ी, जिसमें कई कैदी भाग गए। कई दुकानों में तोड़–फोड़ की और फ्रिज, एसी जैसे कीमती सामानों की लूट हुई। इतने उपद्रव के बाद सेना ने अपने हाथ में कमान ली है, तो फिलहाल तोड़–फोड़, लूटमार रुकी है। लेकिन आंदोलन अब भी खत्म नहीं हुआ है। क्योंकि प्रदर्शनकारी संविधान बदलने और नयी सरकार के गठन की मांग कर रहे हैं। नेपाल बिल्कुल पड़ोस में है, तो वहां के हालात देश पर असर डालेंगे, ऐसी आशंका बनी हुई है। सोशल मीडिया पर हमेशा की तरह किसी भी घटना पर त्वरित फैसले सुनाने वाले अंदाज में लोग टिप्पणियां कर रहे हैं। अपने–अपने राजनैतिक रुझान के मुताबिक कोई चेतावनी दे रहा है कि सरकार समझ जाए कि आम आदमी का गुस्सा जब फूटता है, तो कैसे उसके सब्र का बांध टूटता है, कोई सरकार की तारीफ कर रहा है कि हमारे पड़ोसी देशों में इतना कुछ हो रहा है, लेकिन हमारे यहां हालात संभले हुए हैं। बात सही है कि भारत में हजार तरह की तकलीफें और सौ तरह की नाराजगियों के बावजूद ऐसी अराजकता के हालात नहीं बने हैं। लेकिन 2011–12 के दौर को याद करें, जब तत्कालीन सरकार के खिलाफ ऐसी ही नाराजगी की चिंगारी को भड़काने की पूरी कोशिशें हुई थीं। इंडिया अंगेस्ट करप्शन के बैनर तले लोकपाल की मांग पर जो अन्ना आंदोलन खड़ा हुआ था, वह देश को अराजकता की तरफ ही उकसा रहा था। कभी रामदेव, कभी रविशंकर, कभी जग्गी वासुदेव जैसे आध्यात्म का कारोबार करने वाले लोग इस आंदोलन में अपने पूरक अध्याय जोड़ रहे थे। राष्ट्रपति भवन के सामने प्रदर्शन, इंडिया गेट पर प्रदर्शन, रामलीला मैदान में जलसे की तरह चलाया जा रहा आंदोलन सब सरकार को उकसा रहे थे कि वह कोई सख्त कार्रवाई करे और फिर सारी व्यवस्था को हाथ में लेने का मौका आंदोलनकारियों को मिले। लेकिन तत्कालीन यूपीए सरकार ने संयम दिखाया। बार–बार अनशन पर बैठे लोगों के बीच आकर वार्ताओं के दौर चलाए, ताकि जनता को समझ आ सके, कि जो भी फैसला होगा संविध ाान के दायरे में रहकर होगा। जो बात संविधान सम्मत नहीं होगी, उसे नहीं माना जाएगा, फिर चाहे सत्ता ही क्यों न चली जाए। ऐसा ही हुआ भी। अन्ना हजारे के आंदोलन को मीडिया ने भरपूर कवरेज दिया, क्योंकि उसे भी सत्ता में परिवर्तन चाहिए था। किरण बेदी जैसे पूर्व पुलिस अधिकारी हाथ में तिरंगा लेकर अन्ना हजारे के मंच से ऐसे लहराते थे, मानो तिरंगे पर निर्वाचित सरकार का कोई हक है ही नहीं। बहरहाल, आंदोलन खत्म हुआ, इंडिया अंगेस्ट करप्शन कहां गया पता नहीं, लोकपाल का कानून बना, लेकिन भ्रष्टाचार खत्म नहीं हुआ, अन्ना हजारे अपने गांव पहुंच गए और अरविंद केजरीवाल सत्ता में आ गए। किरण बेदी की राजनैतिक महत्वाकांक्षाएं भी पूरी हुईं, कुमार विश्वास अब सेलिब्रिटी कवि, कथावाचक और राजनैतिक विश्लेषक बन चुके हैं, उनकी बेटी की तीज हो तो पूर्व केन्द्रीय मंत्री पधारती हैं। कहने का आशय यह कि हरेक को अपने–अपने हिस्से का लाभ मिल गया। भाजपा को तो खैर पूरी की पूरी सत्ता ही मिल गई। इस तरह अन्ना आंदोलन की कीमत यूपीए सरकार ने अपनी सत्ता खोकर चुका दी। जिन लोगों को सत्ता मिली है, उनका संविधान में अब कितना यकीन है या नहीं है, यह अलग सवाल है। लेकिन उस समय देश में जिस किस्म की अराजकता फैलाकर सत्तापलट की कोशिशें हुई थीं, कम से कम उनसे देश बच गया, क्योंकि केंद्र में कांग्रेस थी। अब केंद्र में भाजपा है, तो फिर से सरकार से नाराजगी के सवाल उठ रहे हैं। लेकिन यहां भी संविधान ही देश को बचाते हुए दिख रहा है। इस बात पर अब भारत के मुख्य न्यायाधीश की मुहर भी लगी है। बुधवार को सुप्रीम कोर्ट में पांच जजों की संविधान पीठ राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा विधेयकों पर स्वीकृति देने की शक्ति से संबंधित 14 प्रश्नों पर सुनवाई कर रही है। इसी दौरान मुख्य न्यायाधीश बी आर गवई ने पड़ोसी मुल्कों के हालात का जिक्र किया और कहा कि हमें अपने संविधान पर गर्व है। देखिए कि हमारे पड़ोसी देशों में क्या हो रहा है। नेपाल में भी हम यही देख रहे हैं। चीफ जस्टिस गवई की इस टिप्पणी पर पांच जजों की संविधान पीठ के एक जज जस्टिस विक्रम नाथ ने कहा–हां, बांग्लादेश में भी। माननीय न्यायाधीशों की इस टिप्पणी से देश को बनाने और संवारने में संविधान की भूमिका एक बार फिर रेखांकित हुई है।

मोहन भागवत जी हमेशा से 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' के प्रबल समर्थक रहे हैं

नरेंद्र मोदी

आज 11 सितंबर है। यह दिन अलग–अलग स्मृतियों से जुड़ा है। एक स्मृति 1893 की है, जब स्वामी विवेकानंद ने शिकागो में विश्वबंधुत्व का संदेश दिया और दूसरी स्मृति है 9/11 का आतंकी हमला, जब विश्व बंधुत्व को सबसे बड़ी चोट पहुंचाई गई। आज के दिन की एक और विशेष बात है। आज एक ऐसे व्यक्तित्व का 75वां जन्मदिवस है जिन्होंने वसुधैव कुटुंबकम के मंत्र पर चलते हुए समाज को संगठित करने, समता–समरसता और बंधुत्व की भावना को सशक्त करने में अपना पूरा जीवन समर्पित किया है। संघ परिवार में जिन्हें परम पूजनीय सरसंघचालक के रूप में श्रद्धाभाव से संबोधित किया जाता है, ऐसे आदरणीय मोहन भागवत जी का आज जन्मदिन है। यह एक सुखद संयोग है कि इसी साल संघ भी अपना शताब्दी वर्ष मना रहा है। मैं भागवत जी को हार्दिक शुभकामनाएँ देता हूँ और प्रार्थना करता हूँ कि ईश्वर उन्हें दीर्घायु और उत्तम स्वास्थ्य प्रदान करें। मेरा मोहन भागवत जी के परिवार से बहुत गहरा संबंध रहा है। मुझे उनके पिता, स्वर्गीय मधुकरराव भागवत जी के साथ निकटता से काम करने का सौभाग्य मिला था। मैंने अपनी पुस्तक ज्योतिपुंज में मधुकरराव जी के बारे में विस्तार से लिखा भी है। वकालत के साथ–साथ मधुकरराव जी जीवनभर राष्ट्र निर्माण के कार्य में समर्पित रहे। अपनी युवावस्था में उन्होंने लंबा समय गुजरात में बिताया और संघ कार्य की मजबूत नींव रखी। मधुकरराव जी का राष्ट्र निर्माण के प्रति झुकाव इतना प्रबल था कि अपने पुत्र मोहनराव को भी इस महान कार्य के लिए निरंतर गढ़ते रहे। एक पारसमणि मधुकरराव ने मोहनराव के रूप में एक और पारसमणि तैयार कर दी। भागवत जी का पूरा जीवन सतत प्रेरणा देने वाला रहा है। वे 1970 के दशक के मध्य में प्रचारक बने। सामान्य जीवन में प्रचारक शब्द सुनकर ये भ्रम हो जाता है कि कोई प्रचार करने वाला व्यक्ति होगा, लेकिन जो संघ को जानते हैं उनको पता है कि प्रचारक परंपरा संघ कार्य की विशेषता है। गत 100 वर्षों में देशभक्ति की प्रेरणा से भरे हजारों युवक–युवतियों ने अपना घर–परिवार त्याग करके पूरा जीवन संघ परिवार के माध्यम से राष्ट्र को समर्पित किया है। भागवत जी भी उस महान परंपरा की मजबूत धुरी हैं। भागवत जी ने उस समय प्रचारक का दायित्व संभाला, जब तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने देश पर इमरजेंसी थोप दी थी। उस दौर में प्रचारक के रूप में भागवत जी ने आपातकाल–विरोधी आंदोलन को निरंतर मजबूती दी। उन्होंने कई वर्षों तक महाराष्ट्र के ग्रामीण और पिछड़े इलाकों, विशेषकर विदर्भ में काम किया। 1990 के दशक में अखिल भारतीय शारीरिक प्रमुख के रूप में मोहन भागवत जी के कार्यों को आज भी कई स्वयंसेवक स्नेहपूर्वक याद करते हैं। इसी कालखंड में मोहन भागवत जी ने बिहार के गांवों में अपने जीवन के अमूल्य वर्ष बिताए और समाज को सशक्त करने के कार्य में समर्पित रहे। वर्ष 2000 में वे सरकार्यवाह बने और यहाँ भी भागवत जी ने अपनी अनोखी कार्यशैली से हर कठिन परिस्थिति को सहजता और सटीकता से संभाला। 2009 में वे सरसंघचालक बने और आज भी अत्यंत ऊर्जा के साथ कार्य कर रहे हैं। भागवत जी ने राष्ट्र प्रथम की मूल विचारधारा को हमेशा सर्वोपरि रखा। सरसंघचालक होना मात्र एक संगठनात्मक जिम्मेदारी नहीं है। यह एक पवित्र विश्वास है, जिसे पीढ़ी–दर–पीढ़ी दूरदर्शी व्यक्तित्वों ने आगे बढ़ाया है और इस राष्ट्र के नैतिक और सांस्कृतिक पथ को दिशा दी है। असाधारण व्यक्तियों ने इस भूमिका को व्यक्तिगत त्याग, उद्देश्य की स्पष्टता और माँ भारती के प्रति अटूट समर्पण के साथ निभाया है। यह गर्व की बात है कि मोहन भागवत जी ने न केवल इस विशाल जिम्मेदारी के साथ पूर्ण न्याय किया है, बल्कि इसमें अपनी व्यक्तिगत शक्ति, बौद्धिक गहराई और सहृदय नेतृत्व भी जोड़ा है। भागवत जी का युवाओं से सहज जुड़ाव है और इसलिए उन्होंने अधिक से अधिक युवाओं को संघ कार्य के लिए प्रेरित किया है। वे लोगों से प्रत्यक्ष संपर्क में रहते हैं, और संवाद करते रहते हैं। श्रेष्ठ कार्य पद्धति को अपनाने की इच्छा और बदलते समय के प्रति खुला मन रखना, ये मोहनजी की बहुत बड़ी विशेषता रही है। अगर हम व्यापक संदर्भ में देखते हैं तो संघ की 100 साल की यात्रा में भागवत जी का कार्यकाल संघ में सर्वाधिक परिवर्तन का कालखंड माना जाएगा। चाहे वो गणवेश परिवर्तन हो, संघ शिक्षा वर्गों में बदलाव हो, ऐसे अनेक महत्वपूर्ण परिवर्तन उनके निर्देशन में संपन्न हुए। कोरोना काल में मोहन भागवत जी के प्रयास विशेष रूप से याद आते है। उस कठिन समय में उन्होंने स्वयंसेवकों को सुरक्षित रहते हुए समाजसेवा करने की दिशा दी और टेक्नोलॉजी का उपयोग बढ़ाने पर बल दिया। उनके मार्गदर्शन में स्वयंसेवकों ने जरूरतमंदों तक हरसंभव सहायता पहुँचाई, जगह–जगह मेडिकल कैंप लगाए। उन्होंने वैश्विक चुनौतियों और वैश्विक विचार को प्राथमिकता देते हुए व्यवस्थाओं को विकसित किया। हमें कई स्वयंसेवकों को खोना भी पड़ा, लेकिन भागवत जी की प्रेरणा ऐसी थी कि अन्य स्वयंसेवकों की दृढ़ इच्छाशक्ति कमजोर नहीं पड़ी। इस वर्ष की शुरुआत में, मैंने नागपुर में उनके साथ माधव नेत्र चिकित्सालय के उद्घाटन के दौरान मैंने कहा था कि संघ अक्षयवट की तरह है, जो राष्ट्रीय संस्कृति और चेतना को ऊर्जा देता है। इस अक्षयवट वृक्ष की जड़ें इसके मूल्यों की वजह से बहुत गहरी और मजबूत हैं। इन मूल्यों को आगे बढ़ाने में जिस समर्पण से मोहन भागवत जी जुटे हुए हैं, वो हर किसी को प्रेरणा देता है। समाज कल्याण के लिए संघ की शक्ति के निरंतर उपयोग पर मोहन भागवत जी का विशेष बल रहा है। इसके लिए उन्होंने पंच परिवर्तन का मार्ग प्रशस्त किया है। इसमें स्व बोध, सामाजिक समरसता, नागरिक शिष्टाचार, कुटुम्ब प्रबोधन और पर्यावरण के सूत्रों पर चलते हुए राष्ट्र निर्माण को प्राथमिकता दी गई है। देश और समाज के लिए सोचने वाले हर भारतवासी को पंच परिवर्तन के इन सूत्रों से अवश्य प्रेरणा मिलेगी। संघ का हर कार्यकर्ता वैभव संपन्न भारत माता का सपना साकार होते देखना चाहता है। इस सपने को पूरा करने के लिए जिस स्पष्ट विज़न और ठोस एक्शन की जरूरत होती है, मोहन जी इन दोनों गुणों से परिपूर्ण हैं। मोहन जी के स्वभाव की एक और बड़ी विशेषता ये है कि वो मृदुभाषी हैं। उनमें सुनने की भी अद्भुत क्षमता है। यह विशेषता न केवल उनके दृष्टिकोण को गहराई देती है, बल्कि उनके व्यक्तित्व और नेतृत्व में संवेदनशीलता और गरिमा भी लाती है। मोहन जी, हमेशा 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' के प्रबल पक्षधर रहे हैं। भारत की विविधता और भारत भूमि की शोभा बढ़ा रही अनेक संस्कृतियों और परंपराओं के उत्सव में भागवत जी पूरे उत्साह से शामिल होते हैं। वैसे बहुत कम लोगों को ये पता है कि मोहन भागवत जी अपनी व्यस्तता के बीच संगीत और गायन में भी रुचि रखते है। वे विभिन्न भारतीय वाद्ययंत्रों में भी निपुण हैं। पठन–पाठन में उनकी रुचि, उनके अनेक भाषणों और संवादों में साफ दिखाई देती है। पिछले दिनों देश में जितने सफल जन–आंदोलन हुए चाहे स्वच्छ भारत मिशन हो या बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, मोहन भागवत जी ने पूरे संघ परिवार को इन आंदोलनों में ऊर्जा भरने के लिए प्रेरित किया। मैं पर्यावरण से जुड़े प्रयासों और सस्टेनेबल लाइफस्टाइल को आगे बढ़ाने के प्रति उनके समर्पण को जानता हूँ। मोहन जी का बहुत जोर आत्मनिर्भर भारत पर भी है। कुछ ही दिनों में विजयादशमी पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ 100 वर्ष का हो जाएगा। यह भी सुखद संयोग है कि विजयादशमी का पर्व, गांधी जयंती, लाल बहादुर शास्त्री की जयंती और संघ का शताब्दी वर्ष एक ही दिन आ रहे हैं। यह भारत और विश्वभर के लाखों स्वयंसेवकों के लिए एक ऐतिहासिक अवसर है। हम स्वयंसेवकों का सौभाग्य है कि हमारे पास मोहन भागवत जी जैसे दूरदर्शी और परिश्रमी सरसंघचालक हैं, जो ऐसे समय में संगठन का नेतृत्व कर रहे हैं। एक युवा स्वयंसेवक से लेकर सरसंघचालक तक की उनकी जीवन यात्रा उनकी निष्ठा और वैचारिक दृढ़ता को दर्शाती है। विचार के प्रति पूर्ण समर्पण और व्यवस्थाओं में समयानुकूल परिवर्तन करते हुए उनके नेतृत्व में संघ कार्य का निरंतर विस्तार हो रहा है। मैं माँ भारती की सेवा में समर्पित मोहन भागवत जी के दीर्घ और स्वस्थ जीवन की पुनः कामना करता हूँ। उन्हें जन्मदिवस पर अनेकानेक शुभकामनाएं।

भारत तीसरी आर्थिक महाशक्ति होने का ताना–बाना

संजीव ठाकुर

भारत ने चीन के साथ सीमाओं पर होने वाले युद्ध की आशंका को समाप्त करते हुए बातचीत से समझौते का सही रास्ता अख्तियार कर सीमांत मोर्चे पर बजट पर होने वाले चीन से युद्ध की आशंका पर खर्च को काफी हद तक बचा लिया है एवं एक मोर्चे से भारत अब निश्चिंत होकर अपनी आर्थिक प्रगति की ओर अग्रसर हो सकता है। अमेरिका द्वारा लगाए गए टैरिफ के विरोध ा में शंघाई सहयोग संगठन की बैठक रूस चीन और अन्य देशों के साथ एक स्वर में परोक्ष रूप से अमेरिकी दादागिरी को लक्ष्य करके इसका विरोध किया है एवं चीन के साथ भारत की होने वाली सौहार्द पूर्वक बातचीत व मित्रता के रास्ते खुलने से यह टू तय है कि यदि चीन भारत से मित्रता का हाथ बढ़ाएगा और युद्ध नहीं करेगा तो पाकिस्तान की इतनी हैसियत नहीं है कि वह चीन के बिना भारत से युद्ध करने की कभी कल्पना भी कर सके । इन परिस्थितियों में भारतीय अर्थशास्त्रियों का अनुमान है की भारत अब विश्व की तीसरी महाशक्ति बनने से काफी नजदीक पहुंच जाएगा और अमेरिका ब्रिटेन फ्रांस कनाडा जैसे देश जो भारत की प्रगति को बहुत ज्यादा पसंद नहीं करते हैं को भारत चीन के इस समझौते से बड़ा झटका ही लगा है। निश्चित तौर पर ये अंग्रेज देश नहीं जाएंगे कि भारत उनकी बराबरी के साथ खड़े होकर आंखों में आंखें डाल कर बात करे सके। भारत स्वतंत्रता की प्राप्ति के बाद अथक प्रयास करने के पश्चात आधुनिक भारत के स्वप्न दृष्टा प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू ने अपनी कार्यप्रणाली इसी सोच के साथ आगे बढ़ाई थी कि भारत आने वाले समय में एक समृद्ध, शक्तिशाली एवं आर्थिक रूप से संपन्न राष्ट्र के रूप में वैश्विक स्तर पर उभर कर आएगा। इसी तारतम्य में 1952 से प्रारंभ की गई पंचवर्षीय योजनाओं के तहत कृषि, उद्योग, विज्ञान और स्वास्थ्य में वैज्ञानिक दृष्टिकोण तथा सोच को मूर्त रूप दिया गया था। समय समय मैं सरकारें बदलती रहे और भारत विकास की ओर धीरे–धीरे बढता रहा। आज वर्तमान में नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत में आर्थिक स्थिति में जबरदस्त विकास किया है, भारत विश्व में पांचवी आर्थिक स्थिति बन चुका है दूसरी तरफ विज्ञान तथा टेक्नोलॉजी में भी अहम स्थान रखता है। सामरिक तौर पर भी भारत की सेना अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपना विशेष स्थान रखती है ।अब पाकिस्तान या चीन की इतनी हिम्मत नहीं है कि वह सीधा भारत पर आक्रमण कर सकें। भारत ने विकास कर यह साबित कर दिया है भारत अब पुराना भारत नहीं रहा है और अब किसी भी विषम परिस्थिति मैं भारत सीना तान कर खड़ा हुआ है। मैं किसी पार्टी विशेष का पक्षधर नहीं हूं जवाहरलाल नेहरू, इंदिरा गांधी ,अटल बिहारी वाजपेई, डॉ मनमोहन सिंह और अब नरेंद्र मोदी जी ने भारत को वैश्विक पटल पर एक सम्मानजनक इस स्थिति में ला खड़ा किया हैस अटल बिहारी जी के नेतृत्व में हम परमाणु शक्ति संपन्न देश बने थे और इंदिरा गांधी जी के नेतृत्व में हमने 1971 में पाकिस्तान को बुरी तरह हराकर कर उसका विभाजन कर बांग्लादेश नामक नए देश का जन्म करवाया था। पर मैं यहां बात विकास के वास्तविक धरातल और देश में गरीबी तथा बेरोजगारी उन्मूलन की करना चाह रहा हूं. हमारा देश अभी भी गरीबी ,बेरोजगारी ,भुखमरी, असमानता, अंधविश्वास, आडंबर और धार्मिक कट्टरपंथ का सामना करते हुए उस गति से विकास नहीं कर पा रहा है जिसके लिए वह अत्यंत समर्थ हैस आज भारत की धमक अमेरिका से लेकर जापान तथा अफ्रीकी देशों में भी है भारत के प्रधानमंत्री मोदी जी का स्वागत अमेरिका फ्रांस ऑस्ट्रेलिया इंग्लैंड ब्राजील इजरायल और सऊदी अरेबिया देश के अनेक राज्यों के राष्ट्रीय प्रमुख हुक्मरानों ने दिल खोलकर किया है, नरेंद्र मोदी की वैश्विक हैसियत इसी बात से पता चलती है कि बाहुबली अमेरिका के राष्ट्रपति ने उनका ऑटोग्राफ लेने की गुजारिश की है और पापुआ न्यू गिनी के राष्ट्र प्रमुख ने उनके चरण छूकर उनका अभिवादन किया ,यह संभवत चमत्कारिक प्रभाव भारत के शक्तिशाली होने एवं वैश्विक शांति के प्रति देश की प्रतिबद्धता के कारण ही हुआ है। पर दूसरी तरफ भारत की अंदरूनी स्थिति में भारत 140 करोड़ की जनसंख्या वाला देश हो गया हैस विकास की कल्पना में भारत आर्थिक तौर पर एक आर्थिक महाशक्ति के रूप में स्थापित हो, इस स्थान पर गरीबी बेरोजगारी असमानता का उन्मूलन हो चुका हो। इसी तरह भारत कच्चे तेल के संकट से मुक्त होकर उर्जा संपन्न देश बने और भारतीय मुद्रा का चलन वैश्विक स्तर मैं सम्मान पूर्वक हो सके। सामाजिक स्तर पर विभिन्न लक्षित वर्गों जैसे दिव्यांग, वरिष्ठ नागरिक, आदिवासी, महिलाओं तथा बच्चों के लिए लाभकारी नीति बनाई जानी चाहिए। अभी महिलाओं की भागीदारी पुरुषों के के साथ सामाजिक तथा प्रशासनिक, वैज्ञानिक, चिकित्सकीय स्तर पर केवल कागजों में दिखाई देती है नारी प्रताड़ना का प्रतिशत अभी भी भारत में बहुत ज्यादा है। ग्रामीण क्षेत्र में बाल श्रम की स्थिति विकराल है अनाज का पर्याप्त भंडारण होने के बावजूद भूखमरी तथा बेरोजगारी भारत में सिर चढ़कर बोल रही है। इसी तरह भारत में सुरक्षा की दृष्टि से बहुत बड़ी बड़ी चुनौतियां हैं जैसे धार्मिक उन्माद, नक्सलवाद, चरमपंथी विचारधारा तथा विभिन्न राज्यों के आपसी विवादों से हमें मजबूती से निपटना होगा तब जाकर विकास की अवधारणा को मूर्त रूप दिया जा सकता है। भारत की प्रति व्यक्ति आय अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपेक्षित रूप से बहुत कम है। भारत अभी वैज्ञानिक, तकनीकी और सुरक्षा के उच्च स्तर पर नहीं पहुंच पाया है। जिससे वह हर देश से आर्थिक सामाजिक राजनीतिक रूप से संतुलन बनाकर आमने सामने बैठ कर बात कर सके और इतना सामर्थ हो भारत कि हम संयुक्त राष्ट्र संघ की सुरक्षा परिषद के आमंत्रित सदस्य बनकर बुलाए जाएं। गांधी जी ने स्वतंत्रता के बाद कहा था कि मेरे सपनों का भारत कैसा भारत हो जिसमें गरीब से गरीब और वंचित से वंचित तथा पिछड़ा व्यक्ति भी भारत को अपना देश समझे तथा भारत की सरकार ऐसी सरकार जो अपनी नीतियां अंतिम व्यक्ति को सोचकर बना सके और उस व्यक्ति को सर्वाधिक लाभ प्राप्त हो सके। गांध ाी जी के सपनों के भारत को बनाने के लिए देश को सामाजिक, सांस्कृतिक, संस्कारिक, वैज्ञानिक और राजनीतिक रूप से शक्ति संपन्न बनाना होगा तभी भारत का हर नागरिक अपने भारत के नागरिक होने पर गर्व उच्च स्तर पर कर सकेगा।

किरदार के लिए स्लम्स का एक्सपीरियंस लिया, उनका लहजा सीखा और कपड़े भी इसी हिसाब से पहने : दिव्या खोसला

एक चतुर नार डायरेक्टर उमेश शुक्ला की फिल्म है जो 12 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है। यह फिल्म थ्रिलर और कॉमेडी का अनोखा मेल है जिसमें लखनऊ के स्लम्स की पृष्ठभूमि पर अमीर–गरीब की जिंदगी की टकराहट को दिलचस्प अंदाज में दिखाया गया है। फिल्म में दिव्या खोसला, नील नितिन मुकेश, सुशांत सिंह, यशपाल शर्मा, जाकिर हुसैन, छाया कदम, हेली दारूवाला और गीता अग्रवाल शर्मा शामिल हैं। इस फिल्म के बारे में स्टारकास्ट नील नितिन मुकेश और दिव्या खोसला और डायरेक्टर उमेश शुक्ला ने खास बातचीत की। पेश हैं बातचीत के मुख्य अंश

सवाल– इस फिल्म का टाइटल एक चतुर नार कैसे आया?

जवाब– इस फिल्म का टाइटल कहानी और कैरेक्टर से आया। हमारी मुख्य लड़की बेहद स्मार्ट और चतुर है। जब हमने स्क्रिप्ट लिखी तभी यह महसूस हुआ कि यह टाइटल सबसे ज्यादा सूट करेगा। कहानी के अनुसार ही कैरेक्टर और टाइटल दोनों तय हुए। आपने यह गाना सुना होगा एक चतुर नार तो हमने भी ह्यूमर और थ्रिलर के संगम के साथ नए रूप में पेश किया है। यह कोई पुराना वर्जन नहीं है बल्कि नया और इंटरेस्टिंग अंदाज है।

सवाल– एक्टिंग से डायरेक्शन तक अब आप 'एक चतुर नार' जैसी फिल्म को अपने करियर में कहां प्लेस करते हैं?

जवाब– देखिए 'एक चतुर नार' मेरे लिए एक खास फिल्म है क्योंकि ये अब तक की मेरी फिल्मों से जॉनर के लिहाज से काफी अलग है। मैंने पहले कभी थ्रिलर अटेम्प्ट नहीं किया था लेकिन थिएटर में जरूर किया है जैसे गुलाम बेगम बादशाह या शेर छेर जैसे थ्रिलर प्ले किए हैं लेकिन फिल्म में ये मेरा पहला अनुभव है इस जॉनर के साथ। अक्सर ऐसा होता है कि जब आपकी कोई फिल्म जैसे ओह माय गॉड या 102 नॉट आउट हिट होती है तो प्रोड्यूसर्स उसी टोन की स्क्रिप्ट लेकर आते हैं। लेकिन जब ये स्क्रिप्ट आई तो मुझे लगा कि अब इस नए जॉनर को एक्सप्लोर करने का वक्त है। और मेरा हमेशा से मानना रहा है कि फिल्म सिर्फ एक एंटरटेनर बन कर न रह जाए उसमें कोई एक बात जरूर हो जो दर्शक अपने साथ लेकर जाए। इस फिल्म में मुझे ह्यूमर और थ्रिल का शानदार मेल भी मिला और जब इतनी मजबूत कास्ट और टीम आपके साथ हो तो आप खुद को वाकई में ब्लेस्ड महसूस करते हैं।

सवाल– आपने थिएटर और फिल्मों दोनों में काम किया है। आपके लिए दोनों में क्या अंतर है और कौन–सा क्राफ्ट ज्यादा चुनौतीपूर्ण लगता है?

जवाब– मेरे लिए दोनों क्राफ्ट्स बराबर चुनौतीपूर्ण हैं। थिएटर में आपको सिर्फ सात–आठ सीन में पूरी कहानी कहनी होती है जो अपने आप में एक बड़ा चौलेंज है। वहीं फिल्म में वही कहानी अगर सौ या उससे भी ज्यादा सीन में फैलानी हो तो उसे उस फॉर्मेट में ढालना भी उतना ही मुश्किल होता है। थिएटर की खास बात ये है कि वहां आपको इंस्टेंट रिस्पॉन्स मिल जाता है अगर कुछ काम नहीं कर रहा तो अगले शो में आप उसे बदल सकते हैं। लेकिन फिल्म में वो मौका नहीं होता इसलिए मैं स्क्रिप्ट मिलने के बाद उसे लोगों को सुनाता हूं रिएक्शन लेता हूं कई लोगों को पढ़ने भी देता हूं जिससे बेहतर समझ बनती है। दोनों ही माध्यमों की अपनी–अपनी खूबियां और चुनौतियां हैं और मैं दोनों को ही पूरी तरह एंजॉय करता हूं।

दिव्या खोसला

सवाल– आपके कैरेक्टर का निर्माण कैसे हुआ? यह आपके वास्तविक व्यक्तित्व से कितना अलग है?

जवाब– सर ने मुझे बार–बार याद दिलाया कि यह लड़की कमीनी है और मैं वैसी नहीं हूं। इस किरदार के लिए मैंने लखनऊ के स्लम्स का एक्सपीरियंस लिया उनका लहजा सीखा और कपड़े भी उसी हिसाब से पहने। यह काफी चुनौतीपूर्ण था लेकिन इससे सीखने को बहुत मिला। हमने इसे काफी इंट्रस्टिंग बनाने की कोशिश की है।

सवाल– इस फिल्म में अपने किरदार की तैयारी कैसे की?

जवाब– देखिए हमारी जो कहानी है वो पूरी तरह से ओरिजिनल है तो कहीं से ऐसा नहीं था कि मैं कुछ पहले से जानती हूं। मैं हमेशा सेट पर जाने से पहले अपनी स्क्रिप्ट पढ़ कर जाती थी और कोशिश करती थी कि मैं वो इंसान बन जाऊं। मैं तो हमेशा अपने कैरेक्टर में रहती थी अगर कोई मुझसे इंग्लिश में भी बात करता है तो मैं तो उससे उसी भाषा में बात करती थी। मैंने हर उस तरीके को अपनाया जो मेरे कैरेक्टर की मांग थी।

सवाल– आपने अब तक कई शानदार रोल किए हैं तो अब आगे क्या करना चाहती हैं?

जवाब– मैं ये जरूर कहना चाहूंगी कि जब मेरी पिछली फिल्म सावी आई थी तब हर इंटरव्यू में मुझसे यही पूछा जा रहा था कि आपकी ड्रीम फिल्म क्या है और आप क्या करना चाहती हैं। उस समय मेरा जवाब हर बार यही होता था मुझे एक अच्छी कॉमेडी फिल्म करनी है क्योंकि मुझे लगता है कि वो मेरा जॉनर है और मैं उसमें बहुत अच्छा कर सकती हूं। इसलिए मैं बहुत शुक्रगुजार हूं उमेश सर की जिन्होंने मुझे एक चतुर नार जैसी कॉमेडी फिल्म का हिस्सा बनाया। ये मेरे लिए एक नया और एक्साइटिंग जॉनर है। अब उम्मीद यही है कि लोग इसे पसंद करें और अगर ऐसा हुआ तो यकीनन आगे और भी अच्छे मौके मिलेंगे।

सवाल– इस फिल्म में आपके लिए सबसे चौलेंजिंग हिस्सा क्या रहा?

जवाब– मेरे लिए सबसे चौलेंजिंग यही था कि जो किरदार मैंने निभाया वो मुझसे बिल्कुल अलग था। वो चौल और बस्ती में पली–बढ़ी लड़की है और सच में मैं जाकर कुछ वक्त उस बस्ती में रही नाले के पास उसी माहौल में ताकि उस किरदार को महसूस कर सकूं। आसान नहीं था क्योंकि मैं उस बैकग्राउंड से नहीं आती। लेकिन जब फिल्म बनी और स्क्रीन पर देखा तो जो भी मेहनत और अप्स एंड डाउंस मैंने झेले सब सार्थक लगे। फिल्म इतनी अच्छी बनी है कि मैं वाकई उमेश सर की बहुत शुक्रगुजार हूं।

नील नितिन मुकेश

सवाल– आपके कैरेक्टर में इस फिल्म की अनएक्सपेक्टेड चीज क्या है?

जवाब– इस फिल्म श्एक चतुर नारश् में अभिषेक का जो ग्रे शेड वाला किरदार मैंने निभाया है वो मेरे लिए बेहद खास और यादगार है। मैं उमेश सर का दिल से शुक्रगुजार हूं कि उन्होंने मुझे इस लायक समझा कि मैं इस दमदार कहानी का हिस्सा बन सकूं। हर एक्टर की ख्वाहिश होती है कि उसे ऐसा कोई रोल मिले जो न सिर्फ चुनौतीपूर्ण हो बल्कि लोगों के दिलों में जगह बना ले और मुझे ये किरदार पहली ही स्क्रिप्ट के पांच मिनट सुनते ही ऐसा लगा। इस फिल्म की खास बात ये है कि इसमें हर किरदार में एक टेढ़ापन है चाहे वो दिव्या जी हों, जाकिर भाई, यशपाल जी या गीता जी और इस ग्रे शेड की दुनिया में खुद को साबित करना एक बड़ी जिम्मेदारी थी। मेरा किरदार सिर्फ एक विलेन नहीं है बल्कि उसमें आम आदमी से जुड़ी कई परतें हैं जो उसे बेहद रियल बनाती हैं। कॉमेडी और थ्रिलर का ये अनोखा मेल मेरे लिए पहली बार था और इसने मुझे बतौर कलाकार और भी निखारा। सेट पर सर का मार्गदर्शन मिलता रहा कि कहां थोड़ा कंट्रोल करना है, कहां थोड़ा और देना है और यही वजह रही कि परफॉर्मेंस में एक ईमानदारी बनी रही। जब आप कैरेक्टर को सच्चाई से निभाते हैं तो बिना किसी स्लैपस्टिक के भी दर्शकों को हंसी आती है और यही इस फिल्म की खूबसूरती है।

सवाल– आपने इतने अलग–अलग कैरेक्टर निभाए हैं यह किरदार आपके पिछली फिल्मों से कितना अलग है?

जवाब– मुझे हमेशा से ग्रे शेड किरदारों की तरफ एक खास आकर्षण रहा है जॉनी गद्दार से लेकर अब तक। जब मेरी पहली फिल्म आ रही थी तब दौर लव स्टोरीज का था लेकिन मुझे एक ही समय पर दो फिल्मों का ऑफर मिला जाने तू या जाने ना और जॉनी गद्दार। मैं जानता था कि एक ही फिल्म मिलेगी और उस वक्त मेरा आत्मविश्वास यही कह रहा था कि अगर जॉनी गद्दार करूं तो कम से कम खो नहीं जाऊंगा खुद को साबित करने का मौका मिलेगा। अब तक 30 से ज्यादा फिल्में कर चुका हूं कई नेशनल अवॉर्ड विनिंग डायरेक्टर्स के साथ काम किया है और हर बार मेरा झुकाव उन्हीं किरदारों की ओर रहा जो सिर्फ अच्छे या बुरे नहीं होते बल्कि जिनमें लेयर्स होती हैं जैसे सात खून माफ, न्यूयॉर्क, वजीर या लफंगे परिंदे में। जब उमेश सर ने ये नया किरदार ऑफर किया तो पहला रिएक्शन यही था कि ये हीरो है विलेन है या क्या है पर जैसे जैसे कहानी खुलती गई समझ आया कि यही इसकी खूबसूरती है। ये एक ऐसा किरदार है जो रियल है हालातों में फंसा हुआ है और जिन्दगी के उतार–चढ़ाव के साथ खुद भी बदलता है। उसमें एक कॉमिक टोन भी है पर सच्चाई भी है और ये रिलेटेबिलिटी ही मेरे लिए इस फिल्म की सबसे बड़ी यूएसपी रही। और जैसा कि दिव्या ने ट्रेलर में भी कहा ये सिर्फ एक कहानी नहीं बल्कि एक स्ट्रैटा की टकराहट है, नाले और नदी किनारे की दुनिया का फर्क, अमीर–गरीब की सोच का फर्क जो अक्सर हम नजरअंदाज कर देते हैं। इस फिल्म में बहुत सारे ट्विस्ट्स हैं इसलिए ज्यादा खुलकर नहीं बोल सकता लेकिन इतना कहूंगा कि ये कहानी वाकई में बहुत दिलचस्प है और इसका हिस्सा बनना मेरे लिए बेहद खास अनुभव रहा।

सवाल– दिव्या के साथ काम करने का अनुभव कैसा रहा?

जवाब– मैं सच में दिव्या जी की खास तौर पर तारीफ करना चाहता हूं। हमने उन्हें अब तक ग्लैमरस और ब्यूटीफुल रोल्स में देखा है और वो वाकई बेहद खूबसूरत हैं लेकिन इस फिल्म में उन्होंने खुद को पूरी तरह एक अलग मोल्ड में ढाला है। जब हम पहले दिन सेट पर मॉनिटर पर सीन देख रहे थे तो सच कहूं तो मुझे झटका लगा कि वो ये सब इतनी सहजता से कर रही हैं। किरदार का लुक, बॉडी लैंग्वेज, डायलॉग डिलीवरी सब कुछ ऑन पॉइंट था। मेरा मानना है कि अगर कोई एक्टर अपने लुक्स के साथ किरदार में रियल दिखे तो आधी लड़ाई वहीं जीत ली जाती है। मैं खुद भी इस बात से गुजरा हूं कि कैसे एक फिक्स इमेज को तोड़ना पड़ता है तो मैं समझ सकता हूं कि उनके लिए ये कितना चौलेंजिंग रहा होगा। लेकिन उन्होंने जिस तरह से किरदार निभाया वो इस फिल्म की बड़ी ताकत है और मजेदार बात ये है कि फिल्म शुरू होने से ठीक पहले हमारी एक गणपति दर्शन के दौरान मुलाकात हुई थी और वहीं मैंने उनसे कहा था कि मैं आपसे काम करने की उम्मीद कर रहा हूं और कुछ ही समय में ये सच हो गया। अब हम बस यही मैनिफेस्ट कर रहे हैं कि हमारी फिल्म ब्लॉकबस्टर हो।

अधिकारों की सुरक्षा के लिए कोर्ट पहुंचे थे अभिषेक बच्चन, दिल्ली एचसी ने गूगल को तुरंत फोटोज हटाने का दिया निर्देश

बॉलीवुड एक्टर अभिषेक बच्चन ने बीते दिन दिल्ली हाई कोर्ट का रुख किया था, जहां उन्होंने अपने नाम, तस्वीर और छवि के गलत इस्तेमाल पर रोक लगाने की मांग करते हुए याचिका दायर की थी। वहीं, इस मामले पर अब विचार करते हुए कोर्ट ने गूगल को निर्देश दिया है कि वो इन फोटोज को हटा दें। बीते बुधवार दिल्ली हाई कोर्ट में सुनवाई के दौरान अभिषेक बच्चन के वकील ने आरोप लगाया कि कई कंपनियों और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म उनके नाम पर फर्जी मर्चेंडाइजिंग कर रहे हैं। कुछ जगहों पर उनके फर्जी पोस्ट और ऑटोग्राफ वाली तस्वीर बेची जा रही है। इसके अलावा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का इस्तेमाल कर आपत्तिजनक वीडियो बनाए गए हैं जिससे उनकी छवि को नुकसान हो सकता है। मामले की सुनवाई के दौरान दिल्ली हाई कोर्ट ने कहा– अगर अभिषेक बच्चन की टीम अलग–अलग लिंक की सूची सौपेगी तो गूगल और अन्य प्लेटफार्म को उन्हें हटाने का निर्देश दिया जा सकता है। मामले की सुनवाई करने वाले जस्टिस तेजस करिया ने यह भी कहा कि जब तक अभिषेक बच्चन की तस्वीरो का इस्तेमाल करने वाले लोगों की असली पहचान नहीं होती तब तक सीधे नोटिस जारी करना मुश्किल होगा। इसके साथ ही दिल्ली हाई कोर्ट में गूगल की ओर से पेश वकील ने कहा कि ज्यादातर लिंक कुछ खास डिफेंडेंट्स ने अपलोड किए हैं और गूगल उन्हें हटाने के लिए तैयार है। वही दिल्ली हाई कोर्ट में मामले की सुनवाई के दौरान अभिषेक बच्चन के वकील ने कोर्ट को भरोसा दिलाया कि वह सभी लिंक और वेबसाइट की पूरी सूची अलग–अलग पेश करेंगे।

दिलजीत दोसांझ का होम्बले फिल्म्स की 'कंतारा : चैप्टर 1' में होगा स्पेशल गाना

होम्बले फिल्म्स की फिल्म कंतारा चौप्टर 1 इस साल की सबसे ज्यादा इंतजार की जाने वाली फिल्मों में से एक है। यह बिना किसी शक सबसे बड़ी पैन–इंडिया फिल्म है, जिसका दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। जब से इस फिल्म की घोषणा हुई है, तब से चर्चाएं जोरो पर है। फिल्म को लेकर बढ़ती हुई उत्सुकता के बीच, अब एक ओर दिलचस्प अपडेट सामने आया है, जिसके मुताबिक फिल्म में जाने माने सिंगर दिलजीत दोसांझ एक गाने को अपनी आवाज से सजाने वाले हैं। कंतारा चौप्टर 1 की चर्चा हर बीतते दिन के साथ ही बढ़ती जा रही है। ऐसे में एक रोमांचक खबर सामने आई है कि इस फिल्म में मशहूर पंजाबी सिंगर दिलजीत दोसांझ का एक गाना शामिल होगा। जिसकी रिकॉर्डिंग कल मुंबई के ल्थ स्टूडियोज, अंधेरी में होगी। यह एक और बड़ा सहयोग है, जो सच में फिल्म की भव्यता को और बढ़ाने वाला है। कंतारा चौप्टर 1 में दिलजीत दोसांझ के साथ मेकर्स का यह कोलैबोरेशन एक खास सहयोग है, क्योंकि इसके जरिए दो बड़े कल्चर आइकॉन साथ आ रहे हैं। एक तरफ, श्कंताराश् ने भारत की संस्कृति को उसकी जड़ों से दुनिया के सामने मजबूत तरीके से पेश किया है, वहीं दूसरी तरफ, दिलजीत दोसांझ ने अपने गानों के जरिए भारतीय संस्कृति को ग्लोबल प्लेटफॉर्म पर पहुंचाने के साथ, उसे जिंदा रखा है। इस तरह से दोनों ने मिलकर भारत का नाम दुनिया भर में रोशन किया है। 'कंतारा चौप्टर 1' होम्बले फिल्म्स की सबसे महत्वाकांक्षी फिल्मों में से एक है। इसकी क्रिएटिव टीम में म्यूजिक डायरेक्टर बी. अजनिश लोकनाथ, सिनेमैटोग्राफर अरविंद कश्यप और प्रोडक्शन डिजाइनर विनेश बंगालन शामिल हैं, जिन्होंने फिल्म की दमदार विजुअल और इमोशनल नैरेटिव को आकार देने में अहम भूमिका निभाई है। इसके अलावा, होम्बले फिल्म्स 2022 की इस ब्लॉकबस्टर फिल्म की विरासत को आगे ले जाने में कोई कसर नहीं छोड़ रही है। मेकर्स ने कंतारा चौप्टर 1 के लिए नेशनल और इंटरनेशनल स्पेशलिस्ट के साथ एक बड़ा वॉर सीक्वेंस तैयार किया है, जिसमें 500 से ज्यादा कुशल फाइटर्स और 3,000 लोग शामिल हैं। यह सीक्वेंस 25 एकड़ में फैले एक पूरे शहर में, ऊबड़–खाबड़ इलाके में 45–50 दिनों के दौरान फिल्माया गया था, जो इसे भारतीय सिनेमा के इतिहास में सबसे बड़े सीक्वेंसेज में से एक बनाता है। यह फिल्म 2 अक्टूबर को दुनिया भर में कन्नड़, हिंदी, तेलुगु, मलयालम, तमिल, बंगाली और अंग्रेजी भाषाओं में रिलीज होगी। यह अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जुड़े रहते हुए भी अलग–अलग भाषाओं और क्षेत्रों के दर्शकों तक पहुँचेगी। फिल्म कंतारा चौप्टर 1 के साथ, होम्बले फिल्म्स भारतीय सिनेमा की सीमाओं को आगे बढ़ा रही है। यह फिल्म लोककथाओं, आस्था और सिनेमा की शानदार कारीगरी का जश्न मनाती है।

रंगीला के 30 साल पूरे, राम गोपाल वर्मा की क्लासिक फिल्म फिर से दिखेगी सिनेमाघरों में

नब्बे के दशक में रिलीज हुई राम गोपाल वर्मा की सुपरहिट फिल्म रंगीला जल्द ही बड़े परदे पर वापसी कर रही है। आमिर खान–उर्मिला मातोंडकर और जैकी श्रॉफ स्टारर रंगीला को 30 साल पूरे होने पर इस ब्लॉकबस्टर फिल्म को अक्टूबर में दर्शकों के लिए फिर से रिलीज किया जाएगा। फिल्म को फिर से वही 30 साल पुराना फील देने के लिए अपग्रेडेड साउन्ड और पिक्चर क्वालिटी के साथ रिलीज किया जाएगा। 30 साल पहले 8 सितंबर, 1995 को रिलीज हुई फिल्म रंगीला उस समय की जबरदस्त हिट साबित हुई थी जिसको अपनी अनोखी कहानी, मनमोहक दृश्यों, और ए आर रहमान के साउंडट्रैक के लिए याद किया जाता है। यह वही फिल्म है जिसमें ए आर रहमान में अपना पहला मौलिक संगीत दिया था। आमिर खान, उर्मिला मातोंडकर और जैकी श्रॉफ के अभिनय, डायनामिक कोरियोग्राफी और यादगार गानों ने दर्शकों के दिलों पर राज किया था। अल्ट्रा मीडिया के पॉपुलर इनिशिएटिव अल्ट्रा रीवाइन्ड के एक हिस्से के रूप में फिल्म के दोबारा रिलीज करने का उद्देश्य पुराने प्रसंशकों के लिए फिर से वही जादू जगाना और नई पीढ़ी को इसके चार्म से रूबरू कराना है। उर्मिला मातोंडकर ने री–रिलीज से पहले फिल्म को लेकर अपनी भावनाएं प्रकट करते हुए अपने इंस्टाग्राम पेज पर लिखा, ष्यह मेरे लिए कभी सिर्फ एक फिल्म नहीं थी। यह एक बेहद खास एहसास था, और आज भी है। जिसमें खुशी थी, उम्मीदें थीं, सपने थे३ और सबसे बढ़कर, जिंदगी को सेलिब्रेट करने का मौका था। निर्देशक राम गोपाल वर्मा ने कहा, जब रंगीला आई थी, उस वक्त की फिल्मों में प्रेम कहानियों को जरूरत से ज्यादा खींचा जाता था और गानों का इस्तेमाल तो बस टाइम पास के लिए होता था। मेरे लिए रंगीला एक ख्वाब था, एक उम्मीद थी। शमिलीश उस हर आम इंसान की तस्वीर थी जो कुछ बड़ा करने और बड़े सपने देखने की हिम्मत करता है। मुन्ना और कमल उस सपने के दो पहलू थे कृ एक सड़क की जिंदगी से जूझता चालाक लड़का और दूसरा चमकता–दमकता हीरो कृ दोनों असली, दोनों में ही कमियां थीं, लेकिन दोनों ही बेहद जरूरी। अब जब फिल्म फिर से रिलीज हो रही है, खुशी इस बात की है कि आज की नई पीढ़ी इस फिल्म को बड़े पर्दे पर देख पाएगी। अल्ट्रा मीडिया के सीईओ सुशील कुमार अग्रवाल ने कहा, ष्रंगीला को सिनेमाघरों में वापस लाकर हमें बेहद खुशी हो रही है। यह 90 के दशक की एक ऐतिहासिक फिल्म है, और इसके दोबारा रिलीज से पुराने और नए दर्शक, दोनों ही इसके सदाबहार आकर्षण को महसूस कर पाएंगे। सात फिल्मफेयर अवॉर्ड जीतने वाली ये फिल्म, जिसमें ए. आर. रहमान को बेस्ट म्यूजिक डायरेक्टर का अवॉर्ड भी मिला था, प्रेम कहानियों पर आधारित फिल्मों के लिए एक मील का पत्थर साबित हुई थी। रंगीला को बॉलीवुड में नए दौर की सोच और स्टाइल लाने में बड़ी और अहम भूमिका निभाने के लिए जाना जाता है। फिल्म अक्टूबर में सिनेमागृहों में रिलीज होगी।

शादी से पहले पार्टनर के साथ बिताना चाहते हैं हसीन पल, तो इन सस्ती जगहों पर जाएं घूमने

शादी से पहले ही यदि आप अपने पार्टनर को अच्छे से समझ लेते हैं और उनके साथ बढ़िया तालमेल बैठ जाता है। तो बाकी की जिंदगी खुशी–खुशी गुजरती है। हालांकि इसका मतलब यह नहीं है कि आपके बीच लड़ाई–झगड़े नहीं होंगे। लेकिन जरूरी यह होता है कि आप अपने रिश्ते को किस तरह से संभालते हैं। ऐसे में अगर आप भी शादी से पहले अपने होने वाले पार्टनर को अच्छे से समझना चाहते हैं, तो आप उनके साथ ट्रिप प्लान कर सकते हैं। इसलिए आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको भारत की कुछ रोमांटिक जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं।

नैनीताल

अगर आप कम बजट में पार्टनर के साथ घूमने का प्लान बना रहे हैं, तो आपको नैनीताल से अच्छी जगह नहीं मिलेगी। यह उत्तराखंड की सबसे सुंदर जगहों में से एक है। नैनीताल कपल्स का रोमांटिक डेस्टिनेशन है। यह जगह समुद्र तल से 2000 मीटर ऊपर है। आप यहां पर अपनी आंखों के सामने बादलों को बनते देख सकते हैं। यहां का नजारा आप जिंदगी भर नहीं भूल पाएंगे। पार्टनर के साथ नए रिश्ते की शुरूआत करने के लिए इससे अच्छी जगह नहीं हो सकती है।

कर्नाटक का चिकमंगलूर

कर्नाटक का चिकमंगलूर एक ऐसा हिल स्टेशन है, जो बारिश के मौसम में स्वर्ग की तरह लगता है। बता दें कि कम बजट वाले लोगों के लिए यह बेहद शानदार जगह है। आपको यहां पर कपल्स नजर आएंगे। क्योंकि यह भारत के रोमांटिक डेस्टिनेशन में से एक है। यहां पर चाय–कॉफी के बागानों के अलावा खूबसूरत झरने आपके ट्रिप को ज्यादा यादगार बनाने का काम करेंगे।

मुन्नार

शादी के पहले पार्टनर के साथ रोमांटिक समय बिताने के लिए आप मुन्नार जा सकते हैं। यह भारत में सबसे अच्छी जगहों में से एक है। यहां आप अच्छे तीर्थ स्थानों के साथ हरे–भरे चाय के बागानों और कॉफी के बागान देखने को मिलेंगे। आप यहां पर भगवान के आशीर्वाद लेने के साथ एक–दूसरे को समझने के लिए अच्छा समय बिता सकते हैं।

ऊटी

अगर आप शादी से पहले पार्टनर के साथ घूमने का प्लान बना रहे हैं, तो नीलगिरि पहाड़ों में बसे ऊटी का नजारा देखने जा सकते हैं। शादी के बाद भले ही आप अपने पार्टनर के साथ घूमने का प्लान बनाएंगे, लेकिन आप यह ट्रिप पार्टनर के साथ नहीं भूल पाएंगे। ऐसे में शादी से पहले पार्टनर के साथ बिताए गए पल हर कपल्स के लिए बेहद खास होते हैं। वहीं यदि आप भी अपनी ट्रिप को यादगार बनाना चाहते हैं, तो आप पार्टनर के साथ ऊटी का ट्रिप प्लान कर सकते हैं।

अर्जुन की छाल का इन तरीकों से कर लिया सेवन, तो कई बीमारियों से मिलेगी राहत

कोलेस्ट्रॉल, जो कि खून में पाया जाने वाला एक मोमी पदार्थ है, हमारे शरीर के लिए कोशिकाओं के निर्माण के लिए आवश्यक है। लेकिन जब इसका स्तर बढ़ जाता है, तो यह दिलसे जोड़े रोगों के खतरे को भी बढ़ा सकता है। अब सवाल यह उठता है कि इस स्थिति से निपटने के लिए क्या किया जा सकता है? अर्जुन की छाल एक प्रभावी नेचुरल उपाय हो सकती है जो कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कंट्रोल में रखने में मदद कर सकती है। हम जानेंगे कि अर्जुन की छाल कैसे काम करती है, इसके स्वास्थ्य लाभ क्या हैं, और इसे अपनी डाइट में शामिल करने के सही तरीके क्या हैं। इस लेख में हम जानेंगे कि अर्जुन की छाल कोलेस्ट्रॉल को कैसे कम कर सकती है और इसके सेवन के सही तरीके क्या हैं।

अर्जुन की छाल के लाभ

कोलेस्ट्रॉल को कम करने में सहायक

अर्जुन की छाल में एंटी–कोलेस्ट्रॉल गुण होते हैं जो रक्त में कोलेस्ट्रॉल के लेवल को कंट्रोल करने में मदद करते हैं। यह एलडीएल (बैड कोलेस्ट्रॉल) को कम और एलडीएल (गुड कोलेस्ट्रॉल) को बढ़ाने में सहायक है। अर्जुन की छाल के पाउडर को पानी, दूध, या शहद के साथ मिलाकर लिया जा सकता है। या फिर अर्जुन की छाल को उबालकर चाय बनाई जा सकती है। बाजार में अर्जुन की छाल के कैप्सूल भी मिलते हैं, जिन्हें डॉक्टर की सलाह के अनुसार लिया जा सकता है।

दिल की सुरक्षा

अर्जुन की छाल का नियमित सेवन दिल के दौरे और स्ट्रोक के जोखिम को कम कर सकता है। यह छाल रक्तवाहिकाओं की दीवारों को मजबूत करती है और ध मनियों में प्लाक के जमने की संभावना को कम करती है, जिससे दिल की बीमारियों का खतरा घटता है। इसके अलावा, अर्जुन की छाल रक्तदाब को नियंत्रित करने में भी सहायक होती है, जो हृदय रोगों के जोखिम को और कम कर देती है।

ब्लडप्रेशर को कंट्रोल करना

अर्जुन की छाल में ऐसे तत्व पाए जाते हैं जो रक्तदाब को सामान्य रखने में सहायक होते हैं। यह छाल रक्तदाब को नियंत्रित करने में मदद करती है, जिससे हृदय पर अत्यधि क दबाव कम होता है। उच्च रक्तदाब, जिसे हाइपरटेंशन भी कहा जाता है, हृदय रोगों का एक प्रमुख कारण है। अर्जुन की छाल इसका स्तर नियंत्रित करके हृदय की ध ड़कनों को नियमित करती है और धमनियों पर दबाव को कम करती है।

वजन कम करने में सहायक

कोलेस्ट्रॉल कंट्रोल से वजन काम होने में भी मदद मिलती है। अर्जुन की छाल के सेवन से शरीर में फैट की मात्रा कम होती है, जिससे वजन कंट्रोल में रहता है।

मेटाबोलिज्म को भी सुधारता हैं।अर्जुन की छाल मेटाबोलिज्म को सुधारने में सहायक होती है, जिससे शरीर की ऊर्जा का उपयोग बेहतर तरीके से होता है और वसा के जमा होने की संभावना घट जाती है।

डिटॉक्सिफिकेशन में मददगार

अर्जुन की छाल में मौजूद नेचुरल तत्व शरीर से विषैले पदार्थों को बाहर निकालने में सहायक होते हैं। यह छाल किडनी और लीवर के कार्य को सुधारती है, जिससे ये अंग विषाक्त पदार्थों को अधिक प्रभावी ढंग से फिल्टर कर सकते हैं। इसके सेवन से शरीर में जमी गंदगी और विषैले तत्व बाहर निकलते हैं, जिससे अंगों की कार्यक्षमता में सुधार होता है।

अर्जुन की छाल का सेवन कैसे करें

1. अर्जुन की छाल के पाउडर को एक गिलास पानी, दूध, या शहद में मिलाकर दिन में एक बार लें।

2. अर्जुन की छाल को उबालकर चाय बनाई जा सकती है। इसके लिए, छाल के छोटे टुकड़ों को पानी में उबालें और छानकर पिएं।

3. अर्जुन की छाल के कैप्सूल भी उपलब्ध हैं, जिन्हें डॉक्टर की सलाह के अनुसार लिया जा सकता है।

अर्जुन की छाल दिल की सुरक्षा और हृदय स्वास्थ्य को बनाए रखने के लिए एक प्रभावशाली प्राकृतिक उपाय हो सकती है। इसके नियमित सेवन से हृदय की मांसपेशियों को मजबूती मिलती है और दिल के दौरे या स्ट्रोक के जोखिम को कम किया जा सकता है। हालांकि, अर्जुन की छाल का सेवन शुरू करने से पहले अपने डॉक्टर से सलाह लेना महत्वपूर्ण है, ताकि आप अपने स्वास्थ्य के लिए सही निर्णय ले सकें।

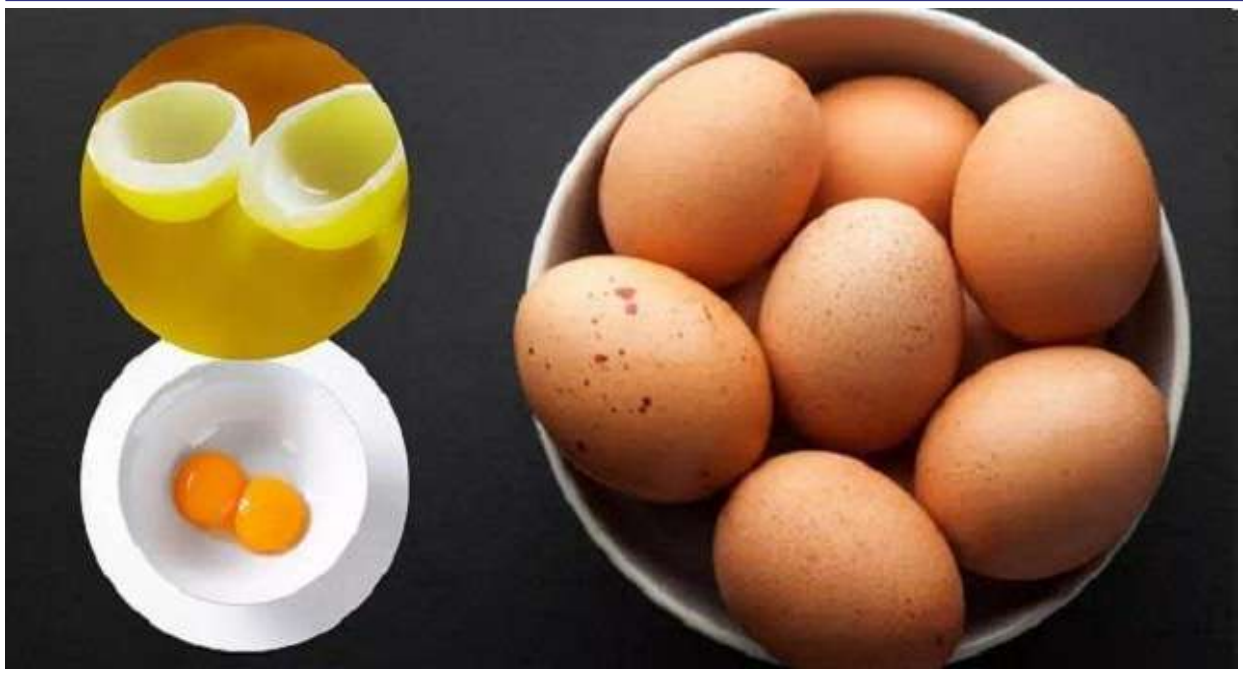

थायराइड मरीजों के लिए बेहद फायदेमंद होता है अंडा, जानिए इसके बेहतरीन फायदे

थायराइड की समस्या आजकल काफी आम हो गई है, और इसके मैनेज करने के लिए सही खान–पान बेहद महत्वपूर्ण होता है। अगर आपको थायराइड की समस्या है, तो आपको अपने आहार पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता होती है। अंडा, जो कि प्रोटीन का एक उत्कृष्ट स्रोत है, थायराइड मरीजों के लिए भी बेहद फायदेमंद साबित हो सकता है। आइए जानें कैसे अंडा थायराइड के मरीजों के लिए लाभकारी हो सकता है और इसे अपने आहार में कैसे शामिल किया जा सकता है।

अंडे में पाए जाने वाले पोषक तत्व

अंडा न केवल प्रोटीन से भरपूर होता है, बल्कि इसमें कई महत्वपूर्ण पोषक तत्व भी मौजूद होते हैं, जो थायराइड की समस्याओं को नियंत्रित करने में मदद कर सकते हैं। इनमें शामिल हैं–

आयोडीन

अंडे में आयोडीन की अच्छी खासी मात्रा होती है, जो थायराइड ग्रंथि के सही कार्य के लिए आवश्यक है। आयोडीन थायराइड हार्मोन के उत्पादन में सहायक होता है, जो शरीर की कई महत्वपूर्ण क्रियाओं को कंट्रोल करता है। इन्हें नाश्ते में या स्नैक के रूप में खा सकते हैं, जो कि प्रोटीन और आयोडीन का अच्छा स्रोत होता है।

सेलेनियम

अंडे में सेलेनियम भी पाया जाता है, जो एक एंटीऑक्सीडेंट है और थायराइड ग्रंथि की सुरक्षा में मदद करता है। सेलेनियम थायराइड हार्मोन के निर्माण और कार्य में सहायक होता है और थायराइड के उचित कार्य को बनाए रखता है। सेलेनियम एक प्रभावशाली एंटीऑक्सीडेंट है जो शरीर में फ्री रेडिकल्स को बेअसर करता है। यह थायराइड ग्रंथि को ऑक्सीडेटिव तनाव से बचाने में मदद करता है, जिससे थायराइड की बीमारी के जोखिम को कम किया जा सकता है।

विटामिन डी

अंडे का योल्क विटामिन डी का एक बेहतरीन स्रोत है, जो हड्डियों और थायराइड के स्वास्थ्य के लिए बेहद महत्वपूर्ण होता है। विटामिन डी कैल्शियम के अवशोषण को बेहतर बनाता है और थायराइड हार्मोन के निर्माण में सहायक होता है। अपने आहार में अंडे को शामिल कर के आप विटामिन डी के लाभ प्राप्त कर सकते हैं, जो आपके संपूर्ण स्वास्थ्य को बनाए रखने में सहायक होता है। हालांकि, किसी भी आहार संबंधी बदलाव से पहले अपने डॉक्टर से सलाह लेना हमेशा उचित होता है।

विटामिन बी12

थायराइड की समस्याओं से जूझ रहे लोगों के लिए विटामिन बी12 भी आवश्यक है। अंडे में विटामिन बी12 की अच्छी मात्रा होती है, जो ऊर्जा स्तर को बनाए रखने में मदद करता है और थायराइड के स्वास्थ्य को प्रभावित कर सकता है।

अंडे का सेवन कैसे करें?

उबले हुए अंडे प्रोटीन और पोषक तत्वों का एक बेहतरीन स्रोत होते हैं। इन्हें नाश्ते में या स्नैक के रूप में शामिल कर सकते हैं। अंडे की आमलेट बनाकर उसमें सब्जियाँ मिला सकते हैं, जो कि पोषण से भरपूर और स्वादिष्ट होती है। उबले हुए अंडों को सैलाद में डाल सकते हैं, जिससे कि आप एक पौष्टिक और संतुलित आहार प्राप्त कर सकें। अंडे का सूप भी एक अच्छा स्नैक हो सकता है, जो आपको गर्म और पौष्टिक भोजन प्रदान करता है। अंडा थायराइड मरीजों के लिए एक बहुपरकारी भोजन साबित हो सकता है। इसमें मौजूद आयोडीन, सेलेनियम, विटामिन डी, और विटामिन बी12 जैसे पोषक तत्व थायराइड की समस्याओं को नियंत्रित करने में सहायक होते हैं। लेकिन, किसी भी आहार में बदलाव करने से पहले अपने डॉक्टर से परामर्श करना हमेशा सही होता है। सही मात्रा में अंडे का सेवन आपके थायराइड स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में मदद कर सकता है और आपके समग्र स्वास्थ्य को भी लाभ पहुँचा सकता है।

त्वचा के लिए एलोवेरा या मलाई क्या सबसे बेहतर क्या है? जानें एक्सपर्ट की राय

अगर आप के पास त्वचा देखभाल के लिए समय नहीं है? तो आप इन बातों को ध्यान में रखकर आप भी बेदाग त्वचा पा सकते हैं। होममेड टिप्स के माध्यम से त्वचा देखभाल और स्वस्थ लाइफस्टाइल विकल्प आपकी त्वचा की मरम्मत कर सकते हैं, प्राकृतिक उम्र बढ़ने को धीमा करने में मदद कर सकते हैं और विभिन्न प्रकार की त्वचा समस्याओं से बच सकते हैं। एलोवेरा और मलाई हमारे घरों में सबसे आसानी से उपलब्ध होने वाले दो पदार्थ हैं जो हमारी त्वचा का इलाज कर सकते हैं। नियमित या साप्ताहिक आधार पर इन उत्पादों को हमारे चेहरे की त्वचा पर लगाने से सनबर्न, मुंहासे और एक्जिमा जैसी त्वचा की समस्याओं के इलाज में मदद मिल सकती है। आइए जानते हैं एलोवेरा या मलाई क्या फायदेमंद है।

स्किन के लिए एलोवेरा के लाभ

इसमें विटामिन ई, ए, सी और बी 12 के साथ–साथ एंटी–इंफ्लेमेटरी गुण भी होते हैं जो त्वचा की चोटों और घावों से होने वाले दर्द, सूजन और खराश से राहत दिलाने में मदद करते हैं और साथ ही कोलेजन के विकास को भी बढ़ावा देते हैं। एलोवेरा का एंटीऑक्सीडेंट कार्य हमारी त्वचा को सूरज की क्षति और विकिरण से बचाता है, साथ ही उम्र बढ़ने की प्रक्रिया को भी धीमा करता है। इसकी उच्च जल सामग्री त्वचा को हाइड्रेट और मॉइस्चराइज करने में सहायता करती है।

स्किन पर मलाई लगाने के फायदे

मलाई सिर्फ सफेद या पीले रंग की जमा हुई क्रीम है। इसे शुद्ध और गैर–होमोजेनाइज्ड दूध को 180 डिग्री सेल्सियस पर उबालकर तैयार किया जाता है। क्रीम के ठंडा होने के बाद, उबलने की प्रक्रिया के ऊपर प्रोटीन और वसा की एक जमा हुई परत बन जाती है और ऊपर से धीरे से हटा दी जाती है, जिससे मलाई बनती है। मलाई आपको चमकदार त्वचा प्रदान करती है, जो रेशमी और कोमल होती है। चमकदार स्किन पाने के लिए बस एक बड़ा चम्मच बेसन और मलाई मिलाएं और 20 मिनट तक लगाएं। यदि आप इसे सप्ताह में एक या दो बार करते हैं, तो अंततः आपको चमकदार फिनिश के साथ चिकनी, कोमल त्वचा मिलेगी। मलाई का उपयोग प्राकृतिक क्लींजर के रूप में भी किया जाता है क्योंकि यह छिद्रों को खोलता है और त्वचा की सतह से धूल को तुरंत हटा देता है, मुंहासे और अन्य कणों को रोकता है। परिणामस्वरूप, यह एक प्राकृतिक एक्सफोलिएंट, टैन रिमूवर और त्वचा मॉइस्चराइजर के रूप में कार्य करता है।

एलोवेरा और मलाई– कौन सा बेहतर है?

एलोवेरा और मलाई दोनों ही त्वचा के लिए लाभकारी हैं, लेकिन वे बनावट, अनुप्रयोग और अन्य कारकों में भिन्न हैं। उन्हें उनके प्राकृतिक रूप में निकाला और उपयोग किया जाता है, हालांकि एलोवेरा का उपयोग आमतौर पर त्वचा और बालों के लाभ के लिए किया जाता है क्योंकि यह जल्दी से हमारी त्वचा में घुलमिल जाता है।

संक्षिप्त

दिल्ली में सोना 100 रुपये बढ़कर 1,13,100 रुपये के नए रिकॉर्ड स्तर पर, चांदी फिसली

स्टॉकिस्टों की सतत लिवाली के कारण बृहस्पतिवार को राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में सोने की कीमत 100 रुपये बढ़कर 1,13,100 रुपये प्रति 10 ग्राम के अबतक के नए उच्चतम स्तर पर पहुंच गई। अखिल भारतीय सर्राफा संघ ने यह जानकारी दी। वहीं चांदी की कीमत 500 रुपये टूटकर 1,28,000 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी करों सहित) पर आ गई। पिछले कारोबारी सत्र में सफेद धातु 1,28,500 रुपये प्रति किलोग्राम पर रही थी। इस साल सोने की कीमतों में तेजी बनी हुई है। यह 31 दिसंबर, 2024 को 78,950 रुपये प्रति 10 ग्राम पर था। अबतक इसमें 34,150 रुपये यानी 43.25 प्रतिशत की वृद्धि हो चुकी है। 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत भी 100 रुपये बढ़कर 1,12,600 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी करों सहित) के नए रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई। ऑग्मोंट की शोध प्रमुख रेनिशा चौनानी ने कहा, ''मुद्रास्फीति की चिंता, बढ़ता सार्वजनिक ऋण और अमेरिकी वृद्धि की गति कम होने जैसे बाजार जोखिम बढ़ने के कारण सोने की कीमतें सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गई हैं। एक्सचेंज–ट्रेडेड फंड (ईटीएफ) का प्रवाह, विशेष रूप से एशिया में, सोने की कीमतों की तेजी के लिए एक महत्वपूर्ण कारक रहा है।'' पीएल कैपिटल के सीईओ (खुदरा ब्रोकिंग एवं वितरण) और निदेशक संदीप रायचुरा के अनुसार, सोने के लिए यह एक शानदार वर्ष रहा है...। यह उछाल केंद्रीय बैंकों की भारी खरीदारी, एक्सचेंज–ट्रेडेड फंडों में मजबूत निवेश, दरों में कई कटौती की उम्मीद और शुल्क से जुड़े लगातार वैश्विक तनावों के कारण हुआ है।'' उन्होंने कहा कि इन कारकों ने सोने को एक सुरक्षित निवेश का विकल्प बना दिया है। हालांकि रिकॉर्ड स्तर पर नए निवेश में अब अस्थिरता का जोखिम है। हालांकि, अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने की कीमतों में नरमी आई और हाजिर सोना 0.52 प्रतिशत की गिरावट के साथ 3,621.91 डॉलर प्रति औंस पररहा। हाजिर चांदी भी 0.35 प्रतिशत घटकर 41.01 डॉलर प्रति औंस रही।

स्पाइसजेट ने संस्थापक अजय सिंह को 32 करोड़ रुपये का अग्रिम दिया: रिपोर्ट

संकटों में घिरी एयरलाइन स्पाइसजेट ने वित्त वर्ष 2024–25 में अपने चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक अजय सिंह को 32 करोड़ रुपये का ब्याज–मुक्त अग्रिम उपलब्ध कराया था जिसे उनके मासिक वेतन से समायोजित किया जा रहा है। एयरलाइन की नवीनतम वार्षिक रिपोर्ट के मुताबिक, यह अग्रिम राशि पांच वर्ष की अवधि के लिए कंपनी की नामांकन एवं पारिश्रमिक समिति

और निदेशक मंडल की मंजूर नीति के अनुरूप दी गई थी। वार्षिक रिपोर्ट कहती है कि इस राशि का हिस्सा कंपनी की नीतियों के अनुरूप अप्रैल एवं मई 2025 में अजय सिंह के वेतन से समायोजित किया गया है। इसके साथ ही रिपोर्ट में कहा गया है कि यह अग्रिम कंपनी के हितों के लिए हानिकारक नहीं है। वित्त वर्ष 2024–25 में अजय सिंह का कुल पारिश्रमिक 7.2 करोड़ रुपये रहा था। इस बीच, कंपनी के प्रवक्ता ने स्पष्ट किया कि यह अग्रिम भुगतान न तो अनुदान है और न ही विशेष छूट, बल्कि एक सामान्य नीति के तहत दी गई राशि है, जिसकी वसूली व्यवस्थित तरीके से की जा रही है। स्पाइसजेट ने पिछले वित्त वर्ष में 58.1 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ दर्ज किया था।

महाराष्ट्र सरकार ने बीएसएनएल को मोबाइल टावर के लिए 930 गांवों में भूमि आवंटित की

महाराष्ट्र सरकार ने ग्रामीण क्षेत्रों में इंटरनेट सुविधाओं का विस्तार करने को लेकर मोबाइल टावर स्थापित करने के लिए भारत संचार निगम लिमिटेड (बीएसएनएल) को राज्य भर के 930 गांवों में भूमि आवंटन को मंजूरी दे दी है। बृहस्पतिवार को जारी एक सरकारी आदेश में यह जानकारी दी गई। राजस्व एवं

वन विभाग की एक अधिसूचना में कहा गया है कि बीएसएनएल ने विशेष रूप से दूरदराज और आदिवासी क्षेत्रों में 4जी कवरेज का विस्तार करने के लिए, 'भूमि–आधारित टावर और उपकरणों की स्थापना' के लिए भूमि मांगी है। इसमें कहा गया है कि प्रत्येक स्थल के लिए, 29 नवंबर, 2022 के पूर्व मंत्रिमंडल के निर्णय के अनुरूप, 200 वर्ग मीटर भूमि निःशुल्क प्रदान की जाएगी। विभाग ने कहा कि अप्रैल 2023 में स्वीकृत 2,751 गांवों में से कई स्थानों पर तकनीकी कठिनाइयों के कारण टावर स्थापित नहीं किया जा सकता। इसके बाद बीएसएनएल ने 930 गांवों की एक संशोधित सूची प्रस्तावित की, जिसे अब मंजूरी दे दी गई है।

मोहसिन बोले– बाबर के इर्दगिर्द अच्छे खिलाड़ियों की कमी, कोहली को मिला केएल–रोहित का साथ

दुबई। पाकिस्तान के लिए 48 टेस्ट और 75 वनडे मैच खेलने वाले मोहसिन खान ने पुरानी यादों को ताजा किया है। न्यूज एजेंसी पीटीआई को दिए इंटरव्यू में उन्होंने कहा कि वह जब पीछे मुड़कर अपने करियर को देखते हैं तो उन्हें क्रिकेट के मैदान और मुंबई के फिल्म स्टूडियो की याद आती है। पाकिस्तान के पूर्व कप्तान मोहसिन ने जहां क्रिकेट के मैदान में अपनी पीढ़ी के सबसे जबरदस्त तेज गेंदबाजों का सामना किया, तो वहीं उन्होंने हिंदी सिनेमा के कुछ सबसे बड़े सितारों के साथ एक दर्जन फिल्मों में भी काम किया।

हमारे समय बदतमीजी नहीं थी...

उन्होंने बताया, श्भारत के खिलाफ स्वदेश और विदेश दोनों जगह खेलना मजेदार हुआ करता था। जिमी (मोहिंदर अमरनाथ) मेरे करीबी दोस्त बन गए। हमारे जमाने में आक्रामकता तो थी, लेकिन बदतमीजी नहीं थी।श मोहसिन ने 1979 में जब पहली बार भारत का दौरा किया तो सिर्फ क्रिकेट के ही दरवाजे नहीं खुले। फिल्म निर्माताओं ने तुरंत उनसे संपर्क किया और सीरीज के बाद छोटे कार्यक्रमों के लिए रुकने का आग्रह किया।

मुझे बॉलीवुड से प्रस्ताव मिलने लगे

मोहसिन ने कहा, 1979 में जब मैं पहली बार भारत आया तो मुझे बॉलीवुड से प्रस्ताव मिलने लगे। लोग कहते थे कि बस 20 दिन रुक जाओ, हम तुम्हारा हिस्सा पूरा कर देंगे। लेकिन तब मेरा ध्यान क्रिकेट पर था। क्रिकेट को प्राथमिकता देने का फैसला जल्द ही सही साबित हुआ। मोहसिन ने 1982 तक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में एक कैलेंडर वर्ष में एक हजार रन बनाने वाले पहले पाकिस्तानी क्रिकेटर के रूप में रिकॉर्ड बुक में अपना नाम दर्ज करा लिया।

लॉर्ड्स में दोहरा शतक लगाना खास था

उन्होंने कहा, यह बहुत खास था, विशेषकर लॉर्ड्स में दोहरा शतक लगाने वाला पहला पाकिस्तानी बल्लेबाज बनना। दो साल बाद 1984 में उन्होंने डेनिस लिली के खिलाफ उन्हीं की धरती पर एडीलेड और मेलबर्न में लगातार शतक जड़े। मोहसिन ने कहा, अपने समय के सर्वश्रेष्ठ तेज गेंदबाज के खिलाफ ऐसा करना संतोषजनक था। मोहसिन का मानना है कि उनका खेल गति और उछाल के अनुकूल था। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि मैंने उछाल वाली पिचों पर अपने कई समकालीन पाकिस्तानी बल्लेबाजों से कहीं बेहतर खेला।

यह टेस्ट मैच मोहसिन के दिल के करीब

एक टेस्ट जो मोहसिन के दिल के काफी करीब है वह लाहौर में भारत के खिलाफ था। मदन लाल द्वारा आउट किए जाने से पूर्व उन्होंने पहली पारी में 94 रन बनाए। फिर दूसरी पारी में पाकिस्तान के एक विकेट पर 135 रन के दौरान उन्होंने नाबाद 101 रन बनाए जो टीम के सबसे कम स्कोर के दौरान शतक था। मोहसिन ने कहा, वह मैच आज भी मेरे पसंदीदा मैचों में से एक है।

बाबर और कोहली को लेकर बयान

दशकों बाद मोहसिन खेल को एक ऐसे व्यक्ति की नजर से देखते हैं जिसने इसे जिया है। पाकिस्तान के मौजूदा मुख्य बल्लेबाज बाबर आजम के बारे में उनके विचार सराहनीय और चेतावनी भरे दोनों हैं। मोहसिन ने कहा, बाबर बुरा बल्लेबाज नहीं है, लेकिन आपको उसका साथ देने के लिए उसके आसपास कई अच्छे खिलाड़ियों की जरूरत होती है। विराट कोहली को ही देख लीजिए दृ टेस्ट में उनके पास चेतेश्वर पुजारा, अजिंक्य रहाणे, लोकेश राहुल थे। वनडे में उनके पास रोहित शर्मा और शिखर धवन रहे। एक महान खिलाड़ी तब और भी महान बन जाता है जब उसके आसपास दूसरे मजबूत खिलाड़ी हों।

बाबर और बाकी खिलाड़ियों में काफी अंतर

उन्होंने कहा, हमारे समय में माजिद खान, जावेद मियांदाद, जहीर अब्बास और बाद में सईद अनवर, इंजमाम–उल–हक, मोहम्मद यूसुफ और यूनिस खान जैसे खिलाड़ी थे। टीमें संख्या के आधार पर बनती हैं। आपको ऐसे खिलाड़ियों के समूह की जरूरत होती है जो कमोबेश एक जैसे हों। फिलहाल बाबर और बाकियों के बीच काफा अंतर है।

मोहसिन के पसंदीदा क्रिकेटरों की लिस्ट

मोहसिन से जब पूछा गया कि उनके समय में कौन से क्रिकेटर उन्हें सबसे अधिक पसंद थे तो उन्होंने बेझिझक जवाब देते हुए कहा, गेंदबाजों में इमरान खान, डेनिस लिली, रिचर्ड हैडली, मैल्कम मार्शल और कपिल देव मेरे पसंदीदा थे। वे अपनी कला के उस्ताद थे। और बल्लेबाजों में, मैं सुनील गावस्कर, माजिद खान, विवियन रिचर्ड्स और ग्रेग चौपल का प्रशंसक था। वे जीनियस थे।

कुलदीप यादव को मिलेगा मौका? अभिषेक-गिल ओपनर, पाकिस्तान के खिलाफ भारत की संभावित प्लेइंग 11

एशिया कप 2025 का महामुकाबला भारत और पाकिस्तान के बीच 14 सितंबर, रविवार को खेला जाएगा। वहीं भारतीय टीम को ग्रुप ए में रखा गया है और सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में भारतीय टीम अपना पहला ग्रुप मैच जीत चुकी है। भारत ने यूएई को पहले ही मैच में 9 विकेट से हरा दिया था। वहीं एशिया कप से ठीक पहले पाकिस्तान ने यूएई में ही ट्राई सीरीज में हिस्सा लिया था और फाइनल में अफगानिस्तान को हराकर चौंपियन भी बनी थी। इस जीत के बाद पाकिस्तान की टीम का हौसला काफी बढ़ा हुआ होगा और वो भारत के खिलाफ पूरी एनर्जी के साथ मैदान पर उतरेगा। पाकिस्तान की टीम में कुछ अच्छे खिलाड़ी मौजूद हैं जो विश्वस्तरीय हैं और अगर वो चल निकले तो भारत के लिए मुश्किल खड़ी कर सकते हैं। इन खिलाड़ियों में फखर जमान, सईम अयूब, सलमान आगा, शाहीन अफरीदी शामिल हैं। भारत को इन खिलाड़ियों के खिलाफ बेहतरीन रणनीति के साथ मैदान पर उतरना होगा साथ ही साथ टीम इंडिया की जीत का मंत्र एक बेहतरीन प्लेइंग इलेवन भी होगा। कहा जा रहा है कि, पाकिस्तान के खिलाफ भी भारतीय टीम उसी प्लेइंग इलेवन के साथ उतर सकती है जो उसने यूएई के खिलाफ उतारी थी। क्योंकि इस टीम में बल्लेबाजी 8वें नंबर तक थी साथ ही गेंदबाजी विकल्प की भी कमी नहीं थी। अगर भारत इस टीम के साथ छेड़छाड़ करता है तो टीम को 7 बल्लेबाजों के साथ उतरना होगा। पाकिस्तान के खिलाफ भारत को दुबई में ही मैच खेलना है जहां यूएई के खिलाफ खेला था।

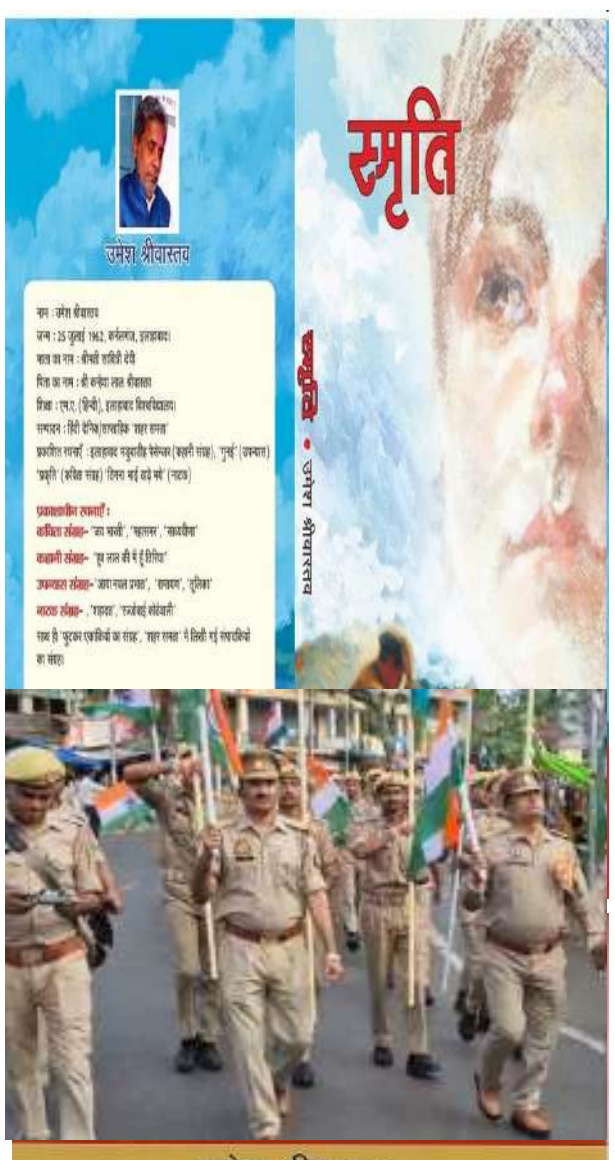

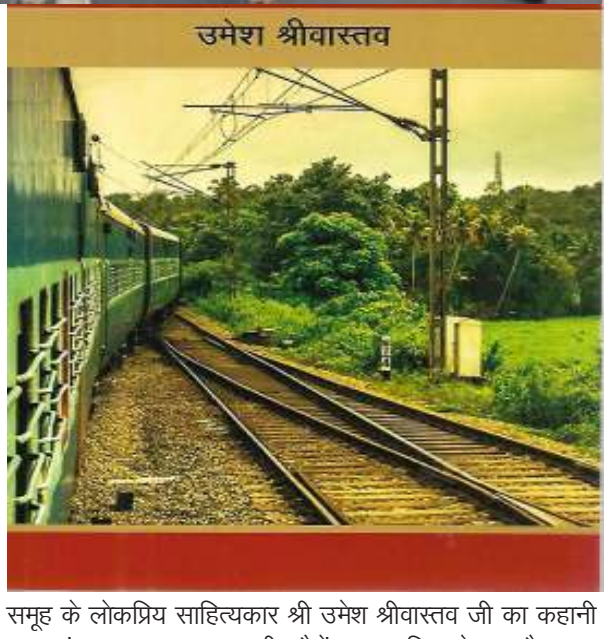

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

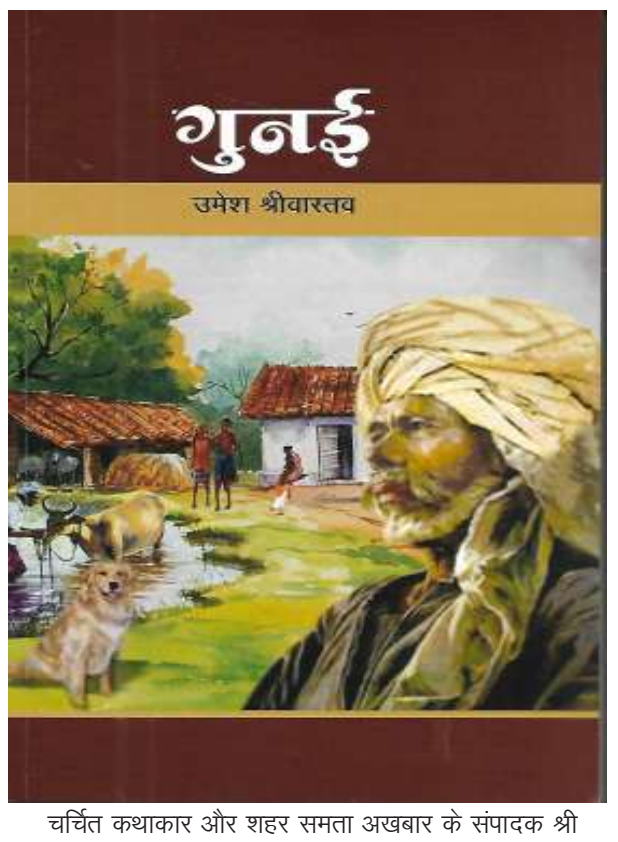

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

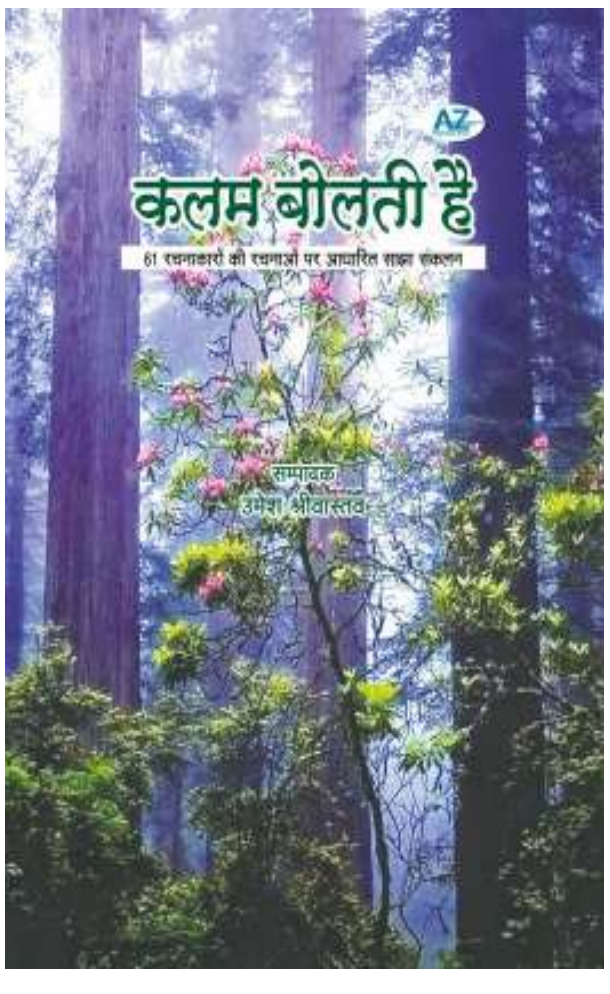

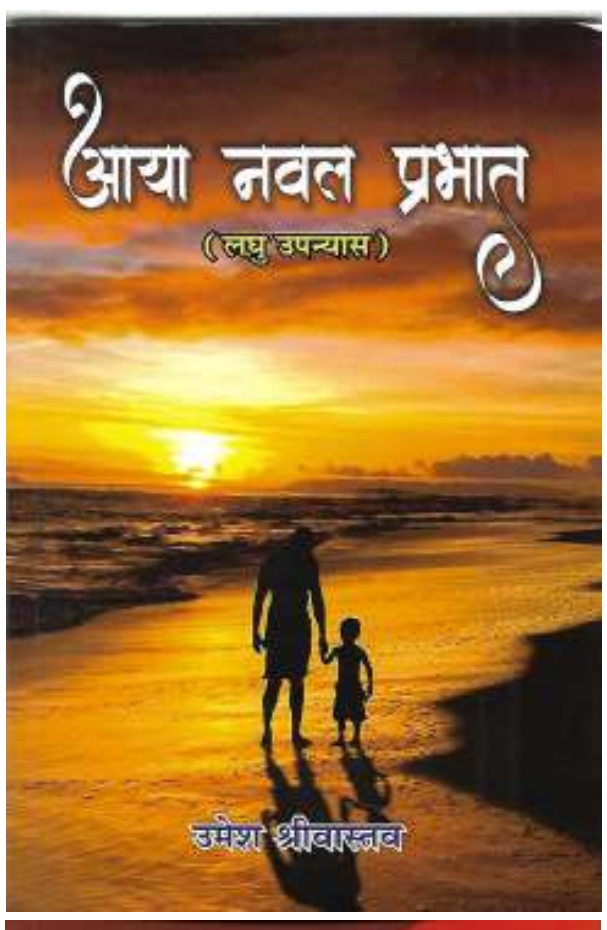

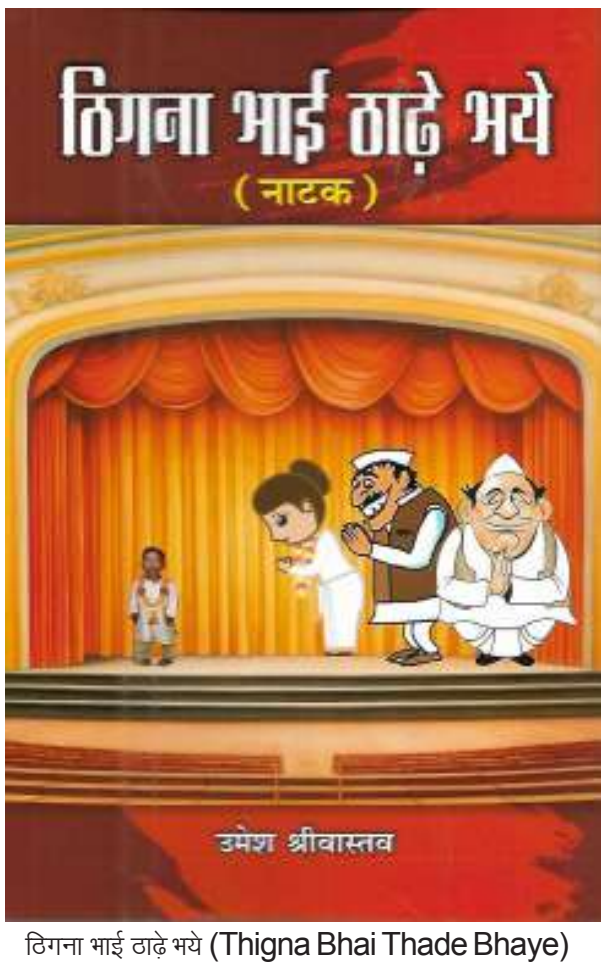

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

ब्राजील के उच्चतम न्यायालय की समिति ने बोल्सोनारो को तख्तापलट के प्रयास का दोषी ठहराया

ब्राजील के उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीशों की एक समिति में ज्यादातर सदस्यों ने बृहस्पतिवार को पूर्व राष्ट्रपति जायर बोल्सोनारो को 2022 के चुनावी हार के बावजूद पद पर बने रहने पर तख्तापलट के प्रयास के तहत संगठित अपराध का दोषी ठहराने के पक्ष में मतदान किया। वर्ष 2019 से 2022

के बीच ब्राजील पर शासन करने वाले दक्षिणपंथी नेता को पांच न्यायाधीशों की समिति के तीन सदस्यों ने पांच मामलों में दोषी पाया। बृहस्पतिवार को कार्मेन लूसिया ने नया फैसला सुनाया, जबकि एक दिन पहले ही एक अन्य न्यायाधीश लुईज फक्स ने असहमति जताते हुए पूर्व राष्ट्रपति को सभी आरोपों से बरी करने के लिए मतदान किया था। मतदान हेतु केवल एक ही न्यायाधीश लंबित है। सभी पांच न्यायाधीशों के मतदान के बाद, समिति बोल्सोनारो की सजा पर फ़ैसला करेगा, जो दशकों तक जेल में रहने की सज़ा हो सकती है। सत्तर वर्षीय पूर्व राष्ट्रपति फिलहाल नजरबंद हैं। उनके वकीलों ने कहा है कि वे इस फैसले के खिलाफ 11 न्यायाधीशों वाली सर्वोच्च न्यायालय में अपील करेंगे।

यूक्रेन के बाद रूस ने पोलैंड पर बोला हमला? जानें क्रेमिलन ने इस पर क्या दी सफाई

पोलैंड में रूस का ड्रोन हमला अब नाटो और यूरोपीय संघ के लिए एक अग्निपरीक्षा बन गया है। रूस द्वारा यूक्रेन पर पूर्ण आक्रमण के बाद पहली बार ऐसा हुआ है, वारसॉ ने कहा कि उसने बुधवार तड़के अपने हवाई क्षेत्र में घुस आए 19 रूसी ड्रोनों में से कुछ को मार गिराने के लिए अपने और नाटो विमानों को भेजा। रूस के रक्षा मंत्रालय ने बुधवार को कहा कि उसकी पोलैंड में किसी भी लक्ष्य पर हमला करने की कोई योजना नहीं है, जबकि वारसॉ के पश्चिमी सहयोगियों ने इस हमले की तुरंत निंदा की, जिसे उन्होंने जानबूझकर और अभूतपूर्व उकसावे वाला बताया। रूस के रक्षा मंत्रालय ने बुधवार को कहा कि उसने मंगलवार रात यूक्रेन के पश्चिमी क्षेत्रों में सैन्य–औद्योगिक परिसर पर हमले किए हैं और इन हमलों में पोलैंड को निशाना नहीं बनाया गया। मंत्रालय ने एक बयान में कहा, "हम इस मुद्दे पर पोलैंड के रक्षा मंत्रालय के साथ बातचीत के लिए तैयार हैं। पोलैंड ने बताया कि कई रूसी ड्रोन उसके इलाके में घुस आए जिन्हें NATO सहयोगियों की मदद से मार गिराया गया। पोलैंड ने इसे आक्रामक कार्रवाई बताया और कहा कि ये ड्रोन यूक्रेन पर जारी रूस के बढ़े हमले के दौरान भेजे गए थे। रूस के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि उसने पोलैंड को निशाना नहीं बनाया। इस घटना पर यूरोप के कई नेताओं का मानना है कि यह सिर्फ गलती नहीं बल्कि जानबूझकर किया गया कदम है, जिससे रूस यूक्रेन की जंग को और बढ़ाना चाहता है। पोलैंड के प्रधानमंत्री डोनाल्ड टस्क ने संसद को बताया कि 7 घंटे में 19 बार उल्लंघन हुआ। NATO ने कहा कि पहली बार गठबंधन के जेट्स सीधे अपने हवाई क्षेत्र में खतरे से निपटे।

अमेरिका में भारतीय मूल के व्यक्ति का सिर कलम किया गया, आरोपी सहकर्मी गिरफ्तार

अमेरिका के टेक्सास राज्य में वॉशिंग मशीन को लेकर हुए विवाद के बाद 50 वर्षीय भारतीय मूल के होटल प्रबंधक का उसकी पत्नी और बेटे के सामने सिर कलम कर दिया गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। संदिग्ध को गिरफ्तार कर लिया गया है।

यह घटना बुधवार सुबह डलास के 'डाउनटाउन सुइट्स' होटल में हुई। डलास पुलिस विभाग के अनुसार, मूल रूप से कर्नाटक निवासी चंद्र मौली 'बॉब' नागमल्लैया की, उसके सहकर्मी योर्डानिस कोबोस–मार्टिनेज के साथ खराब वॉशिंग मशीन को लेकर हुए विवाद के बाद हत्या कर दी गई। कोबोस–मार्टिनेज (37) कथित तौर पर उस समय आपा खो बैठा, जब नागमल्लैया ने उससे सीधे बात करने के बजाय किसी अन्य व्यक्ति से उनके निर्देशों का अनुवाद करने को कहा।

सीसीटीवी फुटेज में कोबोस–मार्टिनेज को एक चाकू निकालते और नागमल्लैया पर हमला करते हुए देखा गया है। इसके बाद पीड़ित होटल कार्यालय की ओर भागा, जहां उसकी पत्नी और 18 वर्षीय बेटा मौजूद थे, लेकिन संदिग्ध ने उनका पीछा किया और नागमल्लैया को उनकी पत्नी और बेटे द्वारा बचाए जाने के प्रयासों के बावजूद फिर हमला किया। कोबोस–मार्टिन का ह्यूस्टन में पहले भी आपराधिक इतिहास रहा है, जिसमें वाहन चोरी और हमले के लिए गिरफ़्तारियां शामिल हैं।

अगर वह दोषी पाया जाता है तो उसे बिना पैरोल के उम्रकैद या मौत की सजा सुनायी जा सकती है। दोस्तों और परिवार के बीच बॉब के नाम से मशहूर नागमल्लैया को उनके प्रियजनों ने श्रद्धांजलि दी। उनके मित्रों ने कहा, ''यह अकल्पनीय त्रासदी है और बेहद दर्दनाक घटना है।'' नागमल्लैया के मित्र, परिवार और स्थानीय भारतीय पीड़ित परिवार की मदद के लिए आगे आ रहे हैं।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र

शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र

मोबाईल नम्बर 9190052 39332

919450482227

कोई फलस्तीन देश नहीं होगा, ये हमारी जमीन है, इस्राइली पीएम ने नई यहूदी कालोनी बनाने का किया एलान

तेल अवीव। इस्राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने गुरुवार को एक बड़े बयान में कहा कि कोई फलस्तीनी देश नहीं होगा और ये हमारी जमीन है। इस्राइली पीएम का यह बयान ऐसे समय सामने आया है, जब कई पश्चिमी देश फलस्तीन को मान्यता देने की का एलान कर चुके हैं। गुरुवार को वेस्ट बैंक में एक प्रमुख यहूदी बस्ती परियोजना के लिए एक हस्ताक्षर समारोह में बोलते हुए इस्राइली प्रधानमंत्री ने ये बात कही। यह समारोह यरुशलम के पूर्व में स्थित यहूदी बस्ती माले अदुमिम में आयोजित किया गया और इस कार्यक्रम का सीधा प्रसारण भी किया गया।

नई यहूदी कालोनी पर लंबे समय से है विवाद

कार्यक्रम के दौरान इस्राइली प्रधानमंत्री ने कहा कि हम अपना वादा पूरा करेंगे और कोई फलस्तीनी राज्य नहीं होगा, ये हमारी जमीन है। हम अपनी विरासत, अपनी जमीन और अपनी सुरक्षा की रक्षा करेंगे। हम शहर की आबादी को दोगुना करने जा रहे हैं। इस्राइल वेस्ट बैंक में लंबे समय से E1 नामक करीब 12 वर्ग किलोमीटर जमीन पर यहूदी बस्ती बसाने की योजना पर काम कर रहा है, लेकिन अंतरराष्ट्रीय विरोध के कारण वर्षों से यह योजना अटकी हुई थी। जिस जगह नई बस्ती E1 बनाई जा रही है, वह इस्राइली बस्ती माले अदुमिम और यरुशलम के बीच का इलाका है। गौरतलब है कि नई बस्ती फलस्तीन के उत्तरी और दक्षिणी इलाकों को जोड़ने वाले मार्ग पर स्थित है।

यूएन ने जताई चिंता

पिछले महीने इस्राइल के वित्त मंत्री बेजलेल स्मोट्रिच ने इस बेहद संवेदनशील जगह पर 3400 घरों वाली यहूदी बस्ती बसाने की योजना का खुलकर समर्थन किया था। हालांकि स्मोट्रिच के इस कदम की संयुक्त राष्ट्र प्रमुख एंटोनियो गुटेरेस ने कड़ी निंदा की। उन्होंने कहा कि इस परियोजना से फलस्तीनी राज्य के अस्तित्व को खतरा पैदा होगा। उल्लेखनीय है कि पश्चिमी तट पर बनीं सभी इस्राइली बस्तियां अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत अवैध मानी जाती हैं। ब्रिटेन और फ्रांस सहित कई पश्चिमी देशों की सरकारों ने संयुक्त राष्ट्र महासभा की बैठक में फलस्तीन को अलग देश की मान्यता देने का एलान किया है। ब्रिटेन ने कहा है कि अगर इस्राइल गाजा में शुरू हुए विनाशकारी युद्ध को तुरंत खत्म नहीं करता है तो उन्हें फलस्तीन को देश की मान्यता देने का कदम उठाना पड़ेगा।

द्वि–राज्य समाधान की संभावनाओं को खतरा

हालांकि भारी अंतरराष्ट्रीय दबाव के बावजूद इस्राइल के दक्षिणपंथी लोग खुलकर संवेदनशील इलाके में यहूदी बस्ती बनाने का समर्थन कर रहे हैं। पश्चिमी तट की बस्तियों की गतिविधियों पर नजर रखने वाले इस्राइली एनजीओ पीस नाउ का कहना है कि E1 बस्ती के निर्माण का काम कुछ महीनों में ही शुरू हो सकता है और करीब एक साल के भीतर आवासों का निर्माण शुरू हो जाएगा। एनजीओ ने चेतावनी दी कि ई1 योजना से इस्राइल के भविष्य और द्वि–राज्य समाधान की संभावना को खतरा पैदा हो सकता है।

नेपाल में हुई तेल की कमी, भारत ने धड़ाधड़ टैंकर भेजने शुरू कर दिए, ट्रंप पकड़ लेंगे माथा

नेपाल में पिछले 72 घंटों से लगातार हालात बिगड़े हुए हैं। नेपाल में सड़क का घमासान अब सियासी खींचतान में बदल गया है। बेन–जी समूहों ने अंतरिम प्रधानमंत्री के लिए सुप्रीम कोर्ट की पूर्व चीफ जस्टिस सुशीला कार्की पर सहमति जताई थी, लेकिन अब वे बंट गए हैं। जेन–जी के अलग–अलग समूह अलग–अलग नाम सुझा रहे हैं। इस कारण उनमें झड़पें शुरू हो गई हैं। अंतरिम प्रधानमंत्री के लिए तीन और दावेदारों के नाम सामने आए हैं। इनमें कुलमान घीसिंग, बालेन शाह, मेगर हरका सम्पांग शामिल हैं। नेपाल में अंतिरम सरकार का नेतृत्व कौन करेगा। किसकी सरकार बनेगी। संसद भंग होगा, इन सभी बातों को लेकर विचार मंथन जारी है। एक तरफ जहां सेना मुख्यालय में बैठकर इसको

लेकर चिंतन मंथन किया जा रहा है। दूसरी तरफ सड़कों पर जेन जेड आपस में ही भिड़ने लगे हैं। वहीं नेपाल में तेल की भी क्राइसिस खड़ी हो गई। पेट्रोल–डीजल की कमी होने लगी। उसके बाद बार्डर बंद होने के बाद से ट्रेड रूक सा गया था। भारत से नेपाल पहुंचने वाले तेल के टैंकर इंतजार में खड़े थे कि कब उन्हें काठमांडू में दाखिल होने का मौका मिलेगा तो वो वक्त 72 घंटों के बाद आया है। विरोध–प्रदर्शनों से प्रभावित नेपाल में फंसे 420 से ज़्यादा भारतीय आखिरकार गुरुवार को स्वदेश लौट सके क्योंकि सोमवार से बंद पानीटंकी स्थित भारत–नेपाल सीमा खुल गई। भारत में मौजूद लगभग 560 नेपाली नागरिक नेपाल जा सके। भारत से 19 पेट्रोलियम टैंकरों सहित 36 ट्रक भी नेपाल पहुँचे, जिससे ज़रूरी ईंधन की आपूर्ति सुनिश्चित हुई। जल्दी खराब होने वाले सामान से लदे चार ट्रक शाम को नेपाल के लिए रवाना होने वाले थे, जो माल की कमी से जूझ रहे इस हिमालयी देश के लिए रसद सामग्री लेकर जाएँगे। तीन एम्बुलेंस को पानीटंकी से गुज़रने की अनुमति दी गई। सीमा पार आवाजाही भले ही काफी हद तक सामान्य हो गई हो, लेकिन भारतीय यात्रियों को अभी भी रोका जा रहा है, न केवल अस्थिर स्थिति के कारण, बल्कि नेपाल की ओर के द्वारों पर सुरक्षाकर्मियों की अनुपस्थिति के कारण भी। हालाँकि, नेपाली नागरिकों को भारत की ओर से अपने घर लौटने की पूरी आज़ादी है। अधिकारियों ने माना कि नेपाल की ओर से सीमा प्रबंधन की कमी एक बाधा बनी हुई है, हालाँकि व्यापारिक वाहनों और आवश्यक वस्तुओं की आवाजाही जारी है।

सेना प्रमुख के साथ अहम मीटिंग, राष्ट्रपति पौडेल च्ड के लिए इस नाम का कर सकते हैं ऐलान

नेपाल में अस्थिर स्थिति के बीच, राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल शुक्रवार को सुशीला कार्की को देश की पहली महिला प्रधानमंत्री नियुक्त कर सकते हैं। सरकार विरोधी प्रदर्शनों का नेतृत्व करने वाले जेन–जेड समूह के प्रतिनिधियों और सेना प्रमुख सहित विभिन्न हितधारकों के बीच बातचीत गुरुवार आधी रात को बेनतीजा रही। हालाँकि, युवाओं के नेतृत्व वाले जेन–जेड समूह ने नए प्रधानमंत्री पद के लिए कार्की के नाम का प्रस्ताव रखा है।

सेना प्रमुख के साथ आज अहम बैठक

शुक्रवार दोपहर 2 बजे काठमांडू स्थित सेना मुख्यालय में एक

बैठक बुलाई गई है। इस बैठक में नेपाल के सेना प्रमुख, राष्ट्रपति और देश के कुछ शीर्ष कानूनी विशेषज्ञ अंतरिम प्रधानमंत्री के नाम पर फैसला लेंगे। सूत्रों के अनुसार, सुशीला कार्की भी इस बैठक में शामिल होंगी। अगर अंतरिम प्रधानमंत्री का नाम नेपाल के संविधान के अनुसार तय होता है, तो यह तय है कि सुशीला कार्की ही राष्ट्रपति और सेना प्रमुख की पहली पसंद होंगी।

राष्ट्रपति पौडेल ने राजनीतिक नेताओं के साथ विचार–विमर्श किया

इन घटनाक्रमों के बीच, राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल वर्तमान राजनीतिक गतिरोध से निपटने का रास्ता निकालने के लिए विभिन्न राजनीतिक नेताओं और संवैधानिक विशेषज्ञों के साथ विचार–विमर्श कर रहे हैं। नई सरकार बनाने के लिए दो विकल्पों पर विचार किया गया, या तो संसद भंग कर दी जाए या उसे बरकरार रखा जाए। हालाँकि, आंदोलनकारी समूह संवैधानिक ढाँचे के भीतर समाधान खोजने पर सहमत हो गया है।

काठमांडू में नाइट कर्फ्यू में ढील दी गई है

इस बीच, लोगों को अपनी दिनचर्या में व्यस्त होने के लिए सुबह 7 बजे से 11 बजे तक चार घंटे के लिए रात्रिकालीन कर्फ्यू में ढील दी गई है। देश भर में सुबह 11 बजे से शाम 5 बजे तक प्रतिबंधात्मक आदेश लागू रहेंगे, जिसके बाद शाम 7 बजे से अगले दिन सुबह 6 बजे तक दो घंटे का कर्फ्यू जारी रहेगा। केपी शर्मा ओली ने मंगलवार को प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया। भ्रष्टाचार और सोशल मीडिया पर प्रतिबंध के खिलाफ सोमवार को हुए विरोध प्रदर्शनों के दौरान पुलिस कार्रवाई में कम से कम 19 लोगों की मौत के लिए सैकड़ों प्रदर्शनकारियों ने उनके कार्यालय में घुसकर उनके इस्तीफे की मांग की। सोशल मीडिया पर प्रतिबंध सोमवार रात हटा लिया गया।

किर्क की हत्या के बाद राजनीतिक हिंसा बढ़ने का खतरा

वायरल हो रहे वामपंथी पोस्टर, गृहयुद्ध की कगार पर देश

अमेरिका में चार्ली किर्क की हत्या से पहले ही आसन्न राजनीतिक संकट के संकेत मिलने लगे थे लकिन किर्क की हत्या इस आशंका को जन्म देती है कि देश और भी अधिक राजनीतिक हत्याओं के खतरनाक दौर में प्रवेश कर चुका है। बढ़ते ध्रुवीकरण और सार्वजनिक संवाद के रूखेपन ने साझा समझ के लिए बहुत कम जगह छोड़ी है। इसके कारण वामपंथी व दक्षिणपंथी हस्तियों को निशाना बनाकर हिंसा की घटनाएं पहले ही बढ़ने लगी थीं, सोशल मीडिया पर वामपंथी पोस्टर वायरल हो रहे हैं, जिनमें कहा जा रहा है कि किर्क को वही मिला जिसके वे हकदार थे।

दक्षिणपंथी दलों के समर्थक शोक जताने से आगे निकलते हुए हिसाब–किताब की मांग कर रहे हैं। माना जा रहा कि देश गृहयुद्ध की कगार पर है। शिकागो विवि के राजनीति विज्ञान के प्रोफेसर रॉबर्ट पेप ने कहा, हम पिछले 4 वर्षों से अध्ययन कर रहे हैं और तब से हम किसी भी बिंदु की तुलना में अधिक कट्टरपंथी राजनीति–हिंसा के लिए समर्थन देख रहे हैं।

ट्रंप को हटाने के पक्ष में 39प्रतिशत डेमोक्रेट

प्रोफेसर पेप राष्ट्रपति ट्रंप के समर्थकों द्वारा 6 जनवरी, 2021 को कैपिटल हिल पर हमला करने के बाद से राजनीतिक हिंसा के प्रति दृष्टिकोण को मापने के लिए नियमित रूप से सर्वेक्षण कर रहे हैं। मई में उनके हालिया सर्वे में पाया गया कि 39 प्रतिशत डेमोक्रेट ट्रंप को पद से बलपूर्वक हटाने को न्यायोचित मानते हैं। किर्क पर गोलीबारी 1970 के दशक के बाद से अमेरिकी राजनीतिक हिंसा के सबसे लंबे दौर का प्रतीक है। 6 जनवरी, 2021 के कैपिटल हमले के बाद से अमेरिका में राजनीतिक रूप से प्रेरित 300 से अधिक हिंसक घटनाएं हो चुकी हैं। ट्रंप खुद दो बार जान से मारने की कोशिशों से बचे हैं। इस बीच अमेरिका की संघीय जांच एजेंसी एफबीआई ने किर्क के हत्यारोपियों की सूचना देने या गिरफ्तारी में मदद करने वालों को एक लाख डॉलर (83 लाख रुपये) का इनाम देने की घोषणा की है।

ट्रंप के पक्ष में माहौल बनाने में निभाई महत्वपूर्ण भूमिका

किर्क ने युवा मतदाताओं को संगठित करने और ट्रंप के पक्ष में एजेंडे को आकार देने में केंद्रीय भूमिका निभाई। परंपरावादी किर्क ने अपने रेडियो शो, पुस्तकों, राजनीतिक आयोजन व भाषणों के माध्यम से राष्ट्रपति ट्रंप के इर्द–गिर्द एकजुट हुए घोर दक्षिणपंथी आंदोलन को आकार दिया। इस प्रकार वह ट्रंप के करीबी बन गए। 2024 के अंत तक उन्हें एक तरह से किंगमेकर माना जाने लगा था। वह ओहायो के सीनेटर जेडी वेंस को ट्रंप के रनिंग मेट के रूप में चुनने के शुरुआती समर्थक थे। उनके कई सबसे बड़े दानदाताओं को ट्रंप प्रशासन में पद मिले। हालांकि, किर्क ने कभी भी सरकारी पद की अपेक्षा नहीं की। पिछले साल उन्होंने साफ किया था कि उनकी आकांक्षा बड़ी है।

प्रशासन में रही जबरदस्त पैठ

किर्क हमेशा कहते थे कि वह रिपब्लिकन पार्टी को नया आकार देना चाहते हैं और इससे भी इतर वह पूरी अमेरिकी राजनीति को नया आकार देना चाहते हैं। हालांकि, प्रशासन में उनकी पैठ रही। दावा किया जाता है ट्रंप के पहले कार्यकाल के दौरान वह लगभग 100 बार व्हाइट हाउस गए थे और तब भी उनका खूब दखल रहा। उधर हमले के बाद अधिकारियों ने हमलावर के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए बताया कि उसने गहरे रंग के कपड़े पहने हुए थे और कुछ दूरी पर परिसर में ही स्थित एक छत से गोली चलाई थी।

काठमांडू हिंसा में भारतीय महिला की मौत, शव भारत पहुंचा

नेपाल की धार्मिक यात्रा गाजियाबाद के एक परिवार के लिए त्रासदी में बदल गई, जब दंगाइयों ने काठमांडू में एक लक्जरी होटल में आग लगा दी।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।